



पेज-07 : वैश्विक सहयोग की आवश्यकता

हर खबर पर हमारी पकड़

नजफगढ़ मैट्रो

नई दिल्ली से प्रकाशित हिंदी पाक्षिक समाचार पत्र

वर्ष: 12, अंक: 75, पृष्ठ: 12

नई दिल्ली 01 जनवरी से 15 जनवरी, 2024

RNI No. DELHIN/2009 28409

मूल्य: ₹ 5



पेज-7 : फिर शाहरुख खान फैंस की उम्मीद पर उतरे खरे

प्रभु श्रीराम आयेंगे, लोग घर-घर दीप जलायेंगे, जय श्रीराम के नारे से गुंजा नजफगढ़

▶▶ पार्षद नीलम कृष्ण पहलवान ने बजरंग एंक्लेव में बांटे दीये व अक्षत, कालोनीवासियों ने किया जय श्रीराम का उद्घोष



नजफगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- भगवान श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर दिल्ली देहात में अब काफी हलचल दिखाई दे रही है और इसका सबसे बड़ा श्रेय दिचाउ कलां वार्ड की भाजपा पार्षद नीलम कृष्ण पहलवान को जाता है। पार्षद नीलम कृष्ण पहलवान नजफगढ़ क्षेत्र के हर घर तक भगवान श्रीराम के निमंत्रण के अक्षत व दीपक पहुंचा रही हैं। इसके साथ ही क्षेत्र की महिलाएं भी उनसे भारी संख्या में जुड़ रही हैं और लोग जय श्रीराम के नारे लगाकर उनका स्वागत कर रहे हैं।

इसी कड़ी में रविवार को नीलम कृष्ण पहलवान ने बजरंग एंक्लेव में दीपक व अक्षत घर-घर देकर सभी को श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण दिया और सभी से अपील की कि सभी अपने घरों व आसपास के मंदिरों में 22 जनवरी को दीपक जलाये व भगवान श्रीराम की आरती उतारें। इस अवसर पर नीलम कृष्ण पहलवान ने कहा कि भगवान श्रीराम का 500 साल का



वनवास अब खत्म हो चुका है अपने घर में विराजमान हो रहे हैं। संस्कृति की पहचान भगवान श्रीराम के इस पावन समारोह के और राम लला 22 जनवरी को हम सब को मिलकर अपनी श्रीराम के इस पावन समारोह के



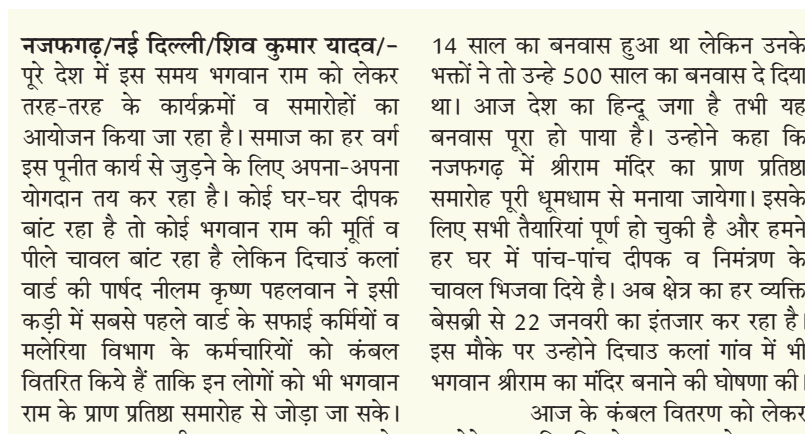
भव्य स्वागत की तैयारी करनी है। उन्होंने कहा कि जो जाति अपने धर्म की रक्षा नहीं कर पाती वो हमेशा नष्ट हो जाती है। अतः हम अपनी धरोहर व पहचान को बनाये रखने के लिए भगवान

श्रीराम का समारोह पूरे क्षेत्र पूरी धूमधाम से मनाया होगा ताकि दुनिया हिंदूओं की ताकत को देख सके।

बजरंग एंक्लेव पहुंचने पर पार्षद नीलम कृष्ण पहलवान का कालोनी वासियों ने फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया और इसी के साथ ही पूरा नजफगढ़ जय श्रीराम के नारों से गुंज उठा। पार्षद नीलम कृष्ण पहलवान घर-घर जाकर लोगों को दीपक व अक्षत देकर निमंत्रण दे रही थीं तो महिलाएं उनके साथ जय श्रीराम नारे लगा रही थीं। इतना ही उनके काफिले के आगे बच्चे भी हाथों में भगवा झंडा लेकर जय श्रीराम के नारे लगा रहे थे। इस अवसर पर कालोनीवासियों ने कहा कि नीलम जी ने जो काम नजफगढ़ में कर-के दिखाया है वह किसी और के बसका नहीं था। वो जो भी काम करती है पूरी निष्ठा से करती है। इसी वजह से लोग उनके साथ दिल से जुड़ते हैं। इस अवसर पर महिलाओं का लड्डू खिलाकर मुंह मीठा भी कराया गया।

नजफगढ़ में दिवाली की तरह मनेगा श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह- नीलम कृष्ण पहलवान

▶▶ राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर पार्षद नीलम कृष्ण पहलवान ने सबसे पहले सफाई कर्मियों को किये कंबल वितरित ▶▶ बोली- श्रीराम मंदिर में भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही नजफगढ़ के दिचाउ गांव में बनेगा श्रीराम मंदिर ▶▶ नजफगढ़ क्षेत्र के हर घर में भेजे गये अक्षत चावल व दीये



नजफगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- पूरे देश में इस समय भगवान राम को लेकर तरह-तरह के कार्यक्रमों व समारोहों का आयोजन किया जा रहा है। समाज का हर वर्ग इस पूनीत कार्य से जुड़ने के लिए अपना-अपना योगदान तय कर रहा है। कोई घर-घर दीपक बांट रहा है तो कोई भगवान राम की मूर्ति व पीले चावल बांट रहा है लेकिन दिचाउ कलां वार्ड की पार्षद नीलम कृष्ण पहलवान ने इसी कड़ी में सबसे पहले वार्ड के सफाई कर्मियों व मलेरिया विभाग के कर्मचारियों को कंबल वितरित किये हैं ताकि इन लोगों को भी भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से जोड़ा जा सके। इस अवसर पर नीलम कृष्ण पहलवान के साथ-साथ सभी ने जय श्रीराम के नारे लगाये। उन्होंने लोगों से भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

कंबल वितरण के दौरान नीलम कृष्ण पहलवान ने कहा कि भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण की प्रतिष्ठा में हमारी अनेकों पीढ़ियां जा चुकी हैं लेकिन हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारे सामने भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस पूनीत कार्य के लिए पूरा देश प्रधानमंत्री मोदी का ऋणी रहेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि हालांकि त्रेता युग में तो भगवान राम को सिर्फ

14 साल का बनवास हुआ था लेकिन उनके भक्तों ने तो उन्हें 500 साल का बनवास दे दिया था। आज देश का हिन्दू जगा है तो भी यह बनवास पूरा हो पाया है। उन्होंने कहा कि नजफगढ़ में श्रीराम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह पूरी धूमधाम से मनाया जायेगा। इसके लिए सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं और हमने हर घर में पांच-पांच दीपक व निमंत्रण के चावल भिजवा दिये हैं। अब क्षेत्र का हर व्यक्ति बेसब्री से 22 जनवरी का इंतजार कर रहा है। इस मौके पर उन्होंने दिचाउ कलां गांव में भी भगवान श्रीराम का मंदिर बनाने की घोषणा की।

आज के कंबल वितरण को लेकर उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल से वह हर त्यौहार पर सफाई कर्मियों व गरीब लोगों को मिठाइयां, कंबल व दूसरी घरेलू चीजें वितरित करती रहती हैं। इस बार का कंबल वितरण का कार्यक्रम उन्होंने भगवान श्रीराम को समर्पित किया है। उनका मानना है कि कोई भी त्यौहार हो उसमें सबसे ज्यादा काम हमारे सफाई कर्मियों ही करते हैं इसलिए सम्मान का पहला हक भी उन्हीं का बनता है। जिसे देखते हुए उन्होंने सबसे पहले उन्हें ही कंबल वितरित किये हैं। कंबल वितरण समारोह में आये सभी सफाई कर्मियों ने एक स्वर में श्रीमति नीलम कृष्ण पहलवान का आभार व्यक्त किया और उनके साथ जय श्रीराम के नारे भी लगाये।

स्वस्थ रहने के लिए शरीर को डीटॉक्स करना जरूरी

-**पार्टी की मौज-मस्ती के बाद अब शरीर की डीटॉक्स की बारी**

-**ये 7 डीटॉक्स ड्रिक्स साफ करेंगे शरीर से टॉक्सिन्स, उतारेंगे थकाण**

सेहत/शिव कुमार यादव/- क्रिसमस से लेकर नए साल के जश्न तक सभी ने खूब खाया-पिया मौज-मस्ती की लेकिन इस दौरान शरीर में ढेर सारे टॉक्सिंस भी जमा कर लिए। हालांकि स्वस्थ रहने के लिए डाइट कंट्रोल व डाइट में वैरियेशंस जरूरी है फिर आप इस पर ध्यान नहीं दे पाये और यही सोचते रहे की बाद में देखा जाएगा। लेकिन अब पार्टियों की मौज-मस्ती के बाद शरीर के डीटॉक्स की बारी है और आज हम आपको बताने जा रहे है ऐसे 7 ड्रिक्स जो आपके शरीर को पूरी तरह से डीटॉक्स कर देंगे और आपकी थकान भी पूरी तरह से उतार देंगे। तो अब बारी है बॉडी को डीटॉक्स करने की।

डीटॉक्स शब्द बना है टॉक्सिक से।

टॉक्सिक मतलब हर वो चीज, जिसमें टॉक्सिन्स हो। अब यह टॉक्सिन क्या है? टॉक्सिन कहते हैं पॉल्यूटेंट्स, सिंथेटिक केमिकल्स, हैवी मेटल को और ये सारी चीजें सेहत पर बुरा प्रभाव डालती हैं। अब आप सोच रहे होंगे कि मैंने तो पॉल्यूटेंट, सिंथेटिक केमिकल्स और हैवी मेटल खाया नहीं। फिर ये टॉक्सिन मेरी बॉडी में आया कहाँ से। डॉ. मार्क हाइमन अपनी किताब ह्यूफूडबुक में लिखते हैं, ह्हाआपको लगता है कि आपने टॉक्सिन नहीं लिए। लेकिन आप जितना भी पैकेज्ड फूड, रेडीमेड फूड, जंक फूड, फास्ट फूड, ट्रॉस फेट से बना फूड खा रहे हैं, वो इन सारे हैवी टॉक्सिन्स से भरा हुआ है ह्हा इन छुट्टियों में आपने ये सब जमकर खाया होगा। इसलिए अब बारी है, नए साल की शुरुआत बॉडी डीटॉक्स से करने की।

इस काम को आसान बनाने के लिए आज जरूरत की खबर में हम आपके लिए लेकर आए हैं 7 सिपल डीटॉक्स ड्रिक्स की रेसिपी। ये डीटॉक्स ड्रिंक आपकी रसोई में उपलब्ध चीजों से आसानी से बनाई जा सकती हैं। तो चलिए शुरू करते हैं। लेकिन शुरू करने से पहले नीचे



दिए ग्राफिक से जान लीजिए कि डीटॉक्स वॉटर हमारे शरीर में जाकर करता क्या है।

नींबू-खीरा-ककड़ी से बना डीटॉक्स वॉटर

इसके लिए ज्यादा कुछ नहीं करना। रात में सोने से पहले एक कांच की बोतल में पानी लीजिए। फिर उसमें खीरा-ककड़ी के कुछ टुकड़े, एक नींबू की छोटी-छोटी कटी स्लाइस और मिंट यानी पुदीने की पत्तियां डाल दीजिए। पूरी रात इसे पानी में रहने दीजिए।

रात भर में इन चीजों के पोषक तत्व पानी में घुल जाएंगे और यह साधारण पानी बन जाएगा एल्कलाइन वॉटर। अतिरिक्त न्यूट्रिएंट्स और मिनरल्स से भरपूर



एल्कलाइन वॉटर की एक बोतल बहुत महंगी मिलती है। लेकिन आप घर में यह डीटॉक्स एल्कलाइन वॉटर बहुत आसानी से बना सकते हैं। सुबह उठकर खाली पेट ये पानी पीजिए। न सिर्फ पेट साफ होगा, बल्कि उसके साथ बॉडी के टॉक्सिन भी बाहर निकलेंगे।

अदरक और हल्दी का डीटॉक्स वॉटर

एक कांच की बोतल में पानी लीजिए। उसमें कच्ची हल्दी और अदरक का एक टुकड़ा ग्रेट करके मिला दीजिए। अगर कच्ची हल्दी नहीं है तो हल्दी पाउडर भी ले सकते हैं। एक नींबू के टुकड़े मिलाइए। पानी को तीन-चार घंटे के लिए छोड़ दीजिए। फिर दिन भर इसे थोड़ा-



थोड़ा पीते रहिए। हल्दी में स्ट्रॉंग एंटीऑक्सीडेंट कर्क्यूमिन होता है। अदरक बॉडी को डीटॉक्स करता है और पाचन शक्ति बढ़ाता है। इस पानी को सुबह खाली पेट नहीं पीना चाहिए क्योंकि हल्दी और अदरक, दोनों ही चीजें तासीर में गर्म होती हैं।

एपल साइडर विनेगर डीटॉक्स वॉटर

इस डीटॉक्स वॉटर को बनाने के लिए कोई मेहनत नहीं करनी है। सुबह उठकर सिर्फ एक गिलास गुनगुने पानी में एक चम्मच एपल साइडर विनेगर डालकर खाली पेट पी लेना है। एपल साइडर विनेगर के हेल्थ बेनिफिट्स पर हुई मेडिकल स्टडीज बताती हैं कि ये-

1. बॉडी को डीटॉक्स करता है।

2. वजन कम करता है।
3. इंसुलिन रजिस्टेंस को बेहतर करता है।
4. ब्लड शुगर लेवल को कम करता है।
5. खाने को पचाने में मददगार है
6. कॉलेस्ट्रॉल कम करता है
7. टाइप-2 डायबिटीज में उपयोगी है।

हर तरह की बेरीज से बना डीटॉक्स वॉटर

प्रकृति ने हमें तकरीबन 400 प्रकार की बेरीज दी हैं, जिनमें से कुछ ही आसानी से उपलब्ध होती हैं। जैसे ब्लूबेरी, रास्पबेरी, क्रेनबेरी, स्ट्रॉबेरी और ब्लैकबेरी। जामुन भी एक तरह की बेरी ही है। ये सारे फल विटामिन, मिनरल्स और

एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर हैं। तो एक कांच की बोतल में इनमें से जो भी बेरीज आसानी से उपलब्ध हों, वो और नींबू के कुछ टुकड़े डालकर बना डीटॉक्स वॉटर थोड़ी-थोड़ी देर पर पीते रहें।

अनार और पुदीने का डीटॉक्स वॉटर

पानी बॉटल में अनार के कुछ दाणे और पुदीने की पत्तियां डालकर कुछ घंटों के लिए छोड़ दें। आपका डीटॉक्स वॉटर तैयार है। अनार पॉलीफेनल्स से भरपूर है, जो एक तरह का एंटीऑक्सीडेंट है। इसके अलावा यह विटामिन सी, फॉलेट, पोटैशियम, मैग्नीशियम, आयरन और फॉस्फोरस का खजाना तो है ही।

जीरा और दालचीनी का डीटॉक्स वॉटर

एक और बेहतरीन डीटॉक्स वॉटर है- जीरा और दालचीनी का पानी। जीरे को रात भर एक कप पानी में भिगो दीजिए। सुबह इसे दालचीनी के कुछ टुकड़े या पाउडर के साथ उबाल लीजिए। डीटॉक्स वॉटर तैयार है। यह वॉटर शरीर से टॉक्सिन्स को साफ करने के साथ-साथ स्ट्रेस कम करता है और ब्लड शुगर लेवल भी मेन्टेन रखता है।

सदाबहार लेमन डीटॉक्स वॉटर

एक नींबू का 88 फीसदी हिस्सा विटामिन सी होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन बी-6, पोटैशियम और मैग्नीशियम भी होता है। नींबू इंसुलिन रजिस्टेंस को बेहतर करने से लेकर, मेटाबॉलिज्म को सक्रिय करने, पाचन दुरुस्त करने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने तक हर चीज में मददगार है।

अगर आपके पास कुछ और उपलब्ध नहीं है तो सुबह खाली पेट नींबू पानी भी बॉडी को डीटॉक्स करने में काफी मददगार होगा।

इसके अलावा नीचे ग्राफिक में दिए डीटॉक्स वॉटर आईडियाज भी ट्राय कर सकते हैं।

डीटॉक्स वॉटर लेने का सही तरीका

डीटॉक्स वॉटर बनाने की इन रेसिपीज के साथ ये जानना भी जरूरी है कि इसे पीने का सही तरीका और सही टाइमिंग क्या है। हेल्दी और उपयोगी चीज भी अगर गलत ढंग से ग्रहण की जाए तो हे। यह वॉटर शरीर से टॉक्सिन्स को नुकसानदायक हो सकती है। इसलिए नीचे दिए ग्राफिक से समझें कि डीटॉक्स वॉटर लेने के दौरान क्या गलतियां नहीं करनी चाहिए।

डूबते पाकिस्तानी सिनेमा को बचाने के लिए इंडियन फिल्मों से बैन हटाना जरूरी

इस्लामाबाद/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- इस समय पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था का बुरा हाल है। एक तरह से पाकिस्तान दिवालिया होने की कगार पर पहुंच चुका है। लेकिन इसी बीच पाकिस्तानी सिनेमा को बचाने स्वयं अब पाकिस्तानी एक्टर्स आगे आ रहे है। और उनका मानना है कि पाकिस्तानी सिनेमा को बचाने के लिए पाकिस्तान को इंडियन फिल्मों से बैन हटाना जरूरी है। बता दें कि 2019 से पाकिस्तान में इंडियन फिल्म की स्क्रीनिंग पर पूरी तरह से बैन लग गया है। हालांकि, इसके बाद भी वहां के दर्शकों की पहली पसंद भारतीय फिल्में ही हैं। कई अवसर पर पाकिस्तानी एक्टर्स भी इस बात का सपोर्ट करते नजर आए हैं। हाल में पाकिस्तानी एक्टर फैसल कुरैशी का कहना है कि उनके मुकद में भारतीय फिल्में जरूर रिलीज होनी चाहिए। इससे मात्र ही वहां की



इंडस्ट्री में ग्रोथ देखने को मिलेगा। बैन हटाने से इंडस्ट्री को 600 से 700 करोड़ तक का फायदा भी होगा।

सरकार को भारत के साथ रिश्ता सुधारना चाहिए

पॉटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, फैसल कुरैशी ने कहा वो सच्चे देशभक्त हैं, लेकिन अगर पाकिस्तानी सिनेमा चलाना है, तो भारतीय फिल्मों की स्क्रीनिंग करना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि

ऐसा कहने में वो बहुत स्वाधी हो रहे हैं, क्योंकि पाकिस्तानी दर्शक भारतीय फिल्में ही देखना चाहते हैं। सरकार उन पर अपनी मनमर्जी नहीं थोप सकती और उन्हें भारत के साथ रिश्ते सुधारने के लिए काम करना चाहिए।

बैन से पहले दर्शक सिर्फ भारतीय फिल्में देखने ही थिएएर जाते थे

उन्होंने आगे खुलासा किया कि बैन से पहले पाकिस्तानी फिल्में और टीवी शोज ऑनलाइन पोर्टल पर



दिखाए जा रहे थे, जबकि लोग केवल भारतीय फिल्में देखने के लिए सिनेमाघरों में जाते थे। इससे देश के रेवेन्यू को बहुत फायदा हुआ था। फैसल का कहना है कि पाकिस्तान सरकार को भारतीय फिल्मों पर से प्रतिबंध हटाने की जरूरत है क्योंकि यह हमारे रेवेन्यू को बढ़ने से रोक रहा है।

बता दें, पुलवामा अटैक के बाद पाकिस्तान में भारतीय फिल्मों पर प्रतिबंध लग गया था।

रामलला की मूर्ति हुई फाइनल, गर्भगृह में विराजेगी 51 इंच की खड़ी प्रतिमा

अयोध्या/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में स्थापित होने वाली रामलला की प्रतिमा का चयन रविवार को कर लिया गया। 29 दिसंबर (शुक्रवार) को हुई बैठक के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सभी सदस्यों ने 3 प्रतिमाओं पर अपना मत लिखित रूप से महासचिव चंपत राय को दे दिया था। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि गर्भगृह में रामलला की 51 इंच लंबी प्रतिमा स्थापित की जाएगी, जिसमें रामलला 5 साल के बाल स्वरूप में होंगे। प्रतिमा में रामलला को खड़े हुए दिखाया गया है। प्रतिमा ऐसी है जो राजा का पुत्र लगे और विष्णु का अवतार लगे। गर्भगृह में रामलला कमल के फूल पर विराजमान होंगे। कमल के फूल के साथ उनकी लंबाई करीब 8 फीट होगी। अभी इस प्रतिमा की फोटो जारी नहीं की गई है। राममंदिर के ग्राउंड फ्लोर पर 18 दरवाजे हैं। इनमें 14 दरवाजों पर सोने



की परत चढ़ाई जा रही है। गाजियाबाद के ज्वेलर्स इस काम को कर रहे हैं। **नीले पत्थर की प्रतिमा का चयन** सूत्रों की मानें तो नीले पत्थर से रामलला की प्रतिमा तैयार की गई है। मूर्तिकार योगीराज की बनाई प्रतिमा का चयन किया गया है। बताया जा रहा है कि रामलला की तीन प्रतिमाओं का निर्माण 3 मूर्तिकारों गणेश भट्ट, योगीराज और सत्यनारायण पांडेय ने तीन पत्थरों से किया है। सोने सत्यनारायण पांडेय की प्रतिमा श्वेत संगमरमर की है। जबकि शेष दोनों प्रतिमाएं कर्नाटक के नीले पत्थर की हैं। इसमें गणेश भट्ट की प्रतिमा दक्षिण भारत की शैली में बनी थी। इस कारण अरुण योगीराज की प्रतिमा का चयन किया गया है। **मैसूर महल के**

कलाकारों के परिवार से आते हैं योगीराज रामलला की प्रतिमा तैयार करने वाले 37 साल के अरुण योगीराज मैसूर महल के कलाकारों के परिवार से आते हैं। उन्होंने 2008 में मैसूर विश्वविद्यालय से डट।

किया, फिर एक निजी कंपनी के लिए काम किया। इसके बाद उन्होंने प्रतिमाएं बनानी शुरू की। हालांकि प्रतिमाएं बनाने की तरफ उनका झुकाव बचपन से था। रूड मोदी भी उनके काम की तारीफ कर चुके हैं। योगीराज ने ही जादुसुर शंकराचार्य की भव्य प्रतिमा का निर्माण किया था। उन्होंने ने ही शंकराचार्य की प्रतिमा बनाई थी, जिसे केदारनाथ में स्थापित किया गया है।

29 दिसंबर को प्रतिमा चयन को लेकर अपना मत सौंपा था

अयोध्या में राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक में प्रतिमा के चयन को लेकर ट्रस्ट के लोगों ने चंपत राय और महंत नृत्य गोपाल दास को अंतिम अधिकार देकर अपना मत उन्हें सौंप दिया था।

ब्रिटिश अखबार के लेख में दावा, 2024 लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी को रोकना लगभग असंभव

लंदन/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- लोकसभा चुनाव में कुछ ही माह का समय बचा है और सभी राजनीतिक पार्टियां आम चुनाव की तैयारियों में जुटी हैं। इस बीच ब्रिटेन के प्रमुख अखबार द गार्जियन में एक लेख लिखा गया है, जिससे विपक्षी पार्टियों को निराशा हो सकती है। दरअसल लेख में दावा किया गया है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनना तय है और इसे कोई नहीं रोक सकता। भाजपा को रोकना लगभग असंभव यह लेख हन्नाह एलिस पीटरसन ने लिखा है। पीटरसन लिखती हैं कि तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में मिली जीत से मिले आत्मविश्वास, पीएम मोदी की लोकप्रियता और राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के चलते भाजपा का लगातार तीसरी बार सत्ता में आना तय है और इसे रोकना लगभग असंभव है। तीन राज्यों में मिली जीत के



बाद खुद पीएम मोदी भी 2024 में जीत की भविष्यवाणी करने से खुद को नहीं रोकेंगे। साल 2014 के अनुसार, भारत के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य और राजनीतिक विश्लेषकों के बीच एक तरह की सहमति है कि पीएम मोदी और भाजपा की जीत होनी तय है। **भाजपा के हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के एजेंडे से मतदाता प्रभावित** पीटरसन लिखती हैं कि प्रधानमंत्री की लोकप्रियता और उनकी मजबूत नेता की छवि के साथ ही भाजपा के हिंदू राष्ट्रवादी एजेंडे से बड़ी संख्या में हिंदू मतदाता प्रभावित हैं,

खासकर उत्तर भारत की हिंदी बेल्ट में भाजपा खास तौर पर मतदाताओं को लुभा रही है। साल 2014 के बाद से राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर पर देश का जगमगत बड़े पैमाने पर भाजपा की तरफ झुका है। लेख में लिखा गया है कि भारत के दक्षिण और पूर्व के हिस्से में विपक्षी पार्टियां भाजपा के मुकाबले मजबूत हैं लेकिन राष्ट्रीय तौर पर विपक्ष बिखरा हुआ और कमजोर नजर आ रहा है।

विपक्षी गठबंधन का कई अहम मुद्दों पर एक होना बाकी

गार्जियन के लेख में कांग्रेस को

लेकर लिखा गया है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस हालिया विधानसभा चुनाव में तेलंगाना में जीती है लेकिन यह अभी तीन राज्यों में ही सत्ता में है और पार्टी अंदरूनी कलह से जूझ रही है। विपक्षी पार्टियों ने गठबंधन किया है लेकिन अभी भी विपक्षी पार्टियों को कई अहम मुद्दों पर सहमत होना बाकी है। हालांकि ये सभी पार्टियां भाजपा के खिलाफ लड़ने एकजुट होकर लड़ने की बात कर रही हैं। सामान्य सोच यही है कि अभी भाजपा की जीत तय लग रही है। लेख के अनुसार, पीएम मोदी साल 2014 में सत्ता विरोधी लहर के सहारे सत्ता में आए थे। वहीं 2019 की जीत में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान पर एयरस्ट्राइक के चलते भारतीय सुरक्षा का भाव उनके पक्ष में गया और उन्हें जीत मिली। हालांकि यह साफ नहीं है कि क्या भाजपा इस बार 2019 के बहुमत को दोहरा पाएगी या नहीं।

मध्यप्रदेश-राजस्थान समेत 19 राज्यों में छाया कोहरा

भोपाल/दिल्ली/चंडीगढ़/शिव कुमार यादव/- नए साल के पहले दिन भी मध्यप्रदेश, राजस्थान, पंजाब, दिल्ली और उत्तर प्रदेश समेत देश के 19 राज्यों में कोहरा देखने को मिला। उत्तर भारत के कई जिलों में विजिबिलिटी 50 मीटर तक रह गई। विजिबिलिटी कम होने के कारण दिल्ली में 21 ट्रेनें अपने निर्धारित समय पर नहीं चल सकीं। उधर, जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी देखने को मिली। श्रीनगर में पारा माइंस 5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। डल झील पर हल्की बर्फ की परत देखने को मिली है।

वहीं, पंजाब के कई जिलों में तापमान 6°C-9°C सेल्सियस के बीच पहुंच गया। घने कोहरे के कारण पंजाब सरकार ने स्कूलों का टाइम बदल दिया। अब स्कूल सुबह

10 बजे से दोपहर 3 बजे तक ही लगेगी। यह नियम 14 जनवरी तक लागू रहेगा। हालांकि राजधानी दिल्ली में सर्दी से राहत देखने को मिली है। दिल्ली का न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। लेकिन दिल्ली में बादल छपर रहने से सर्दी बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। **आगे कैसा रहेगा मौसम?** प्राइवेट वेदर फोरकास्ट एजेंसी स्कवाइंट के मुताबिक, अगले 3 दिनों तक पंजाब और पश्चिमी उत्तरप्रदेश के हिस्सों में घना कोहरा छा सकता है। वहीं, हरियाणा और पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले 2 दिन तक बहुत घना कोहरा होने की संभावना है। उधर, आईएमडी के मुताबिक, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़,

तमिलनाडु और केरल में 2 जनवरी को हल्की बारिश की संभावना जताई जा रही है। **अरब सागर में बन रहा कम दबाव का क्षेत्र** पडक के मुताबिक अरब सागर में कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है, जिसके कारण कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण पूर्व केरल में बादल छपर रहने से सर्दी बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। 45 से 55 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। मछुआरों से चेतावनी वाली जगहों पर समुद्र में जाने से मना किया गया है। **मौसम विभाग की एडवाइजरी- ब्रह्मविंश में सावधानी रखें** -ट्रैफिक - कोहरा होने पर गाड़ी चलाते समय या किसी ट्रांसपोर्ट के जरिए ट्रेवल करते समय सावधान रखें। ब्रह्मविंश धीरे करें और फॉग



लाइट का इस्तेमाल करें। ट्रेवल शेड्यूल के लिए एयरलाइंस, रेलवे और स्टेट ट्रांसपोर्ट के संपर्क में रहें। एयरलाइंस कंपनियों ने यात्रियों से कहा है कि वे एयरपोर्ट रवाना होने से पहले उड़ानों की स्थिति चेक कर लें। -**हेल्थ** - जब तक इमरजेंसी न हो, तब तक बाहर निकलने से बचें और

चेहरे को ढंक कर रखें। अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोग लंबे समय तक घने कोहरे में रहने से बचें। इससे सांस से जुड़ी परेशानी बढ़ सकती है। **राजस्थान में मौसम का हाल** मध्यप्रदेश: नए साल की शुरुआत कोहरे के साथ, पूर्वी एमपी में आज हो सकती है बारिश

मध्यप्रदेश में नए साल के पहले दिन पूर्वी हिस्से यानी जबलपुर, सागर, रीवा संभाग में कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। ग्वालियर, चंबल, रीवा और सागर संभाग में मध्यम से सोमवार सुबह घना कोहरा रहा। यहां दिन के टेम्प्रेचर में भी गिरावट आएगी। सर्द हवाएं समस्या बढ़ा सकती हैं। 14 जनवरी तक प्रदेश में बादल, हल्की बूंदाबांदी वाला मौसम रहेगा। फिर कड़ाके की ठंड पड़ेगी। **छत्तीसगढ़:** नए साल के पहले दिन ठंड से राहत, कुछ इलाकों में बारिश का अनुमान छत्तीसगढ़ में नए साल के पहले दिन ठंड से राहत देखने को मिल रही है। अगले कुछ दिनों में भी प्रदेश में अच्छी ठंड पड़ने के आसार नहीं हैं। तापमान में कोई विशेष परिवर्तन की

भी संभावना नहीं है। हालांकि, मौसम विभाग ने कुछ इलाकों में हल्की बारिश की संभावना जताई है। **राजस्थान:** नए साल की शुरुआत तेज ठिठुरने के साथ, 9 जिलों में कोल्ड डे का यलो अलर्ट राजस्थान में नए साल की शुरुआत के साथ सर्दी तेज होने लगी है। ठंडी हवा और कोहरे के कारण रात के साथ दिन में भी ठिठुरन बढ़ गई है। आज माउंट आबू में लंबे समय बाद पारा फ्रीजिंग पॉइंट पर आने से यहां ठंड से राहत देखने को मिल रही है। मौसम विभाग ने आज भी राज्य के 9 जिलों में शीतदिन (कोल्ड डे) होने का यलो अलर्ट जारी किया है। उत्तरप्रदेश: कोहरे से राहत मिली, सर्दी का सितम बरकरार; इस सप्ताह गिरगा तापमान उत्तरप्रदेश के कई जिलों में कोहरे से राहत मिली है।

आज सोमवार यानी नई साल की सुबह कोहरा कम छाया। विजिबिलिटी बेहतर रही, लेकिन शीतलहर बरकरार है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरप्रदेश में अगले 2 दिन तक मौसम ऐसा ही रहेगा। **पंजाब: घने कोहरे-ठंड के बीच नए साल का आगाज, मौसम विभाग ने अलर्ट रहने की सलाह दी** पंजाब में भी लोगों का नए साल का आगाज घने कोहरे और कड़ाके की ठंड से हुआ है। राज्य के 80 स्थानों पर लोग घने कोहरे और शीत लहर का का सामना कर रहे हैं। ठिठुरन भी बढ़ गई है। इन इलाकों में डेरा बाबा नानक से लेकर पंजाब का प्रवेश द्वार डेराबस्सी तक शामिल है। मौसम विभाग ने लोगों को अलर्ट रहने की सलाह दी है।

देश के सबसे लंबे पुल का मोदी करेंगे उद्घाटन, 20 हजार करोड़ में बनकर तैयार हुआ समुद्र सेतु

मानसी शर्मा / – मुंबई को नवी मुंबई से जोड़ने वाला देश का सबसे बड़ा समुद्री पुल बनकर तैयार हो गया है। अब प्रधानमंत्री शुक्रवार 12 जनवरी को इस पुल का उद्घाटन करने जा रहे हैं। 22 किलोमीटर लंबे पुल के जरिए दक्षिण मुंबई से नवी मुंबई तक की दूरी तय करने में सिर्फ 20 से 25 मिनट लगेंगे और डेढ़ से दो घंटे से ज्यादा की बचत होगी। इतना ही नहीं, एक अनुमान के मुताबिक हर गाड़ी से करीब 300 रुपये का ईंधन भी बचेगा। इस पुल को बनाते समय पर्यावरण का खास ख्याल रखा गया है।

20 हजार करोड़ में बनकर तैयार हुआ समुद्र सेतु



इस समुद्री पुल को बनाने में 20 हजार करोड़ रुपये की लागत आई है। इसके खुलने से इससे जुड़े क्षेत्रों में आर्थिक विकास हो सकेगा। यह समुद्री पुल मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे, मुंबई-गोवा राजमार्ग और नवी मुंबई के प्रस्तावित

क्या है ट्रांस हार्बर लिंक की खासियत ? यह पुल आर्टिफिशियल इटेलिजेंस वाले 190 CCTVकैमरों से लैस है। यह पूल JNPT के करीब है, जिससे बड़े मालवाहक जहाजों की आवाजाही बाधित न हो,इस पुल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके नीचे से दुनिया का सबसे बड़ा मालवाहक जहाज गुजर सकता है। देश के सबसे लंबे अटल ब्रिज पर एक तरफ से 250 रुपये टोल वसूला जाएगा। समुद्र के जिस हिस्से में यह पूल बनाया गया है, वहां राजहंस पक्षी हर सर्दियों में आते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए पुल के किनारे साउंड बैरियर लगाया गया

है। साथ ही इसे बनाते समय ध्वनि प्रदूषण को कम करने का भी ध्यान रखा गया। MMRDAका दावा है कि पिछले साल राजहंस की संख्या में बढ़ोतरी हुई थी। यह सुनिश्चित करने के लिए एक व्यू बैरियर लगाया गया है कि कोई भी (BARC) इस पुल से भाषा परमाणु अनुसंधान केन्द्र की तस्वीरें या वीडियो न ले। इसके अलावा ऐसी लाइटें लगाई गई हैं जो सिर्फ पुल पर ही गिरती हैं और समुद्री जीवों को नुकसान नहीं पहुंचातीं।मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक पर प्रतिदिन 70,000 से अधिक वाहनों का आवागमन होने की उम्मीद है।

सर्दियों में टहलने के बाद कौन सा पानी पीना चाहिए टंडा या गर्म?

मानसी शर्मा / – सर्दियों में टहलने से शरीर में मेटाबॉलिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं। शरीर में कई होने वाली बिमारियों से बचाने में सहायता करता हैं, साथ ही शुगर भी कम करता है और ब्लड सकुलेशन को भी सही करता है। वहीं सेहत से जुड़ी समस्याओं से बचाव में भी सहायता करता है। लेकिन एक बड़ा सवाल यहाँ है कि दौड़ लगाने के बाद आपको कौन सा पानी पीना चाहिए। क्यों किटंड में आप जिस पानी को पीते हैं, उसका आपके शरीर पर सीधा असर पड़ता है। इसकी वजह से आपको सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी बहुत सी समस्याएं हो सकती हैं।अइए जानते हैं कौन सा पानी हमको दौड़ लगाने के बाद पीना चाहिए?

गर्म या टंडा कौन सा पानी पिएं ?

दौड़ लगाने के बाद शरीर में बीपी बढ़ जाता है। इसलिए सर्दियों में टंडा पानी पीने के बहुत फायदे होते है।लेकिन, सर्दियां में अचानक टंडा पानी पीने से शरीर में तुरंत तापमान बदल सकता हैं। जिससे आपको सर्दी-जुकाम की समस्या हो सकती है लेकिन अधिक टंडा पानी



आपकी धमनियों को सख्त भी कर सकती है, जिससे दिल के काम काज पर प्रेशर आ जाता है।ऐसे में न टंडा पानी पिएं न गर्म पानी। इसलिए टंडे और गर्म पानी को दोनों को मिक्स कर लें औ वांक करने के बाद इसको पिएं यानी कि सर्दियों में वांक करने के बाद गुनगुना पानी पिएं जो कि पूरी सेहत के लिए हर प्रकार से फायदेमंद है।

गुनगुना पानी पीने के फायदे

ब्लड सकुलेशन को सही करता है दौड़ लगाने के बाद गुनगुना पानी पीना ब्लड सकुलेशन को सही करने में मदद करता है, साथ ही आपके ब्लड में मिलकर पूरे शरीर में सकुलेशन को बेहतर करता है और फिर ब्लड प्रेशर को बैलेंस

करने में कारगर साबित होता है। साथ ही वांक करने के बाद गुनगुना पानी दिल के लिए फायदेमंद होता है और इसके काम काज को सही करता है।

पेट के लिए बेहतर

दौड़ लगाने के बाद गुनगुना पानी पीना पेट के लिए बहुत ही फायदा करता है। वही पेट के मेटाबोलिक रेट को बढ़ाता है और मोटापे को कम करने में भी सहायता करता है। इसके अलावा जब आप गुनगुना पानी पीते हैं। तो पाचन तंत्र से जुड़ी समस्याओं को भी कम करता है और सर्दियों में दस्त, पेट दर्द और उल्टी से बचाव होता है। दौड़ लगाने के बाद डेली गुनगुना पानी ही पिएं।

एक महीने में पांच और हवाई अड्डों का किया जाएगा उद्घाटन



मानसी शर्मा / – नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक महीने में पांच नए हवाई अड्डों का उद्घाटन किया जाएगा। अयोध्या से अहमदाबाद के लिए इंडिगो की उड़ान सेवा के उद्घाटन के लिए ऑनलाइन आयोजित समारोह में उन्होंने यह बात कही।

सिंधिया ने क्या कहा ?

सिंधिया ने कहा कि अयोध्या हवाई अड्डे का विस्तार किया जाएगा। रनवे का विस्तार किया जाएगा जिससे बड़े विमान उतर सकेंगे और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित हो सकेंगी। सिंधिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि एक महीने में उत्तर प्रदेश में पांच नए हवाई अड्डों का उद्घाटन किया जाएगा, जिससे राज्य में हवाई अड्डों की कुल संख्या 19 हो जाएगी। अयोध्या हवाई अड्डे के बारे में सिंधिया ने कहा कि दूसरे चरण का विस्तार जल्द ही शुरू होगा और शहर को और अधिक उड़ानें मिलेंगी।

22 जनवरी को होगी प्राण-प्रतिष्ठा

अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा की तैयारी जोरों पर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समारोह में शिरकत करेंगे।

महर्षि वाल्मिकी हवाई अड्डे का हो चुका है उद्घाटन

अयोध्या में महर्षि वाल्मिकी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी जोरों पर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समारोह में शिरकत करेंगे।

गांधी की नहीं नेहरु की पार्टी बनकर रह गई है कांग्रेस- BJP

मानसी शर्मा / – अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां धूमधाम से चल रही हैं। ऐसा लग रहा है जैसे प्रभू राम कई सालों के वनवास के बाद एक बार फिर अपनी जन्मभूमि वापस लौट रहे हैं। 22 जनवरी को रामलला अपनी मंदिर Ayodhya Ram Mandir के गर्भ-गृह में सदैव के लिए विराजमान कर दिए जाएंगे। इस अद्भुत दृश्य को देखने के लिए जहां हर कोई व्याकुल है। तो वहीं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस सरकार की बातें सुनकर प्रतीत होता है। जैसे वे प्रभू राम के प्राण प्रतिष्ठा को बीजेपी (BJP) का कोई निजी समारोह समझ रहे हैं और अपने अहंकार की खातिर कार्यक्रम में न शामिल होने के बहाने दे रहे हैं।

कांग्रेस बन गई है बहिष्कार पार्टी- भाजपा बता दें कि हाल ही में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव (Akhilesh Yadav) ने Ayodhya Ram Mandir प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण ठुकरा दिया था। जिसका कारण पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मैं इन्हें नहीं जानता। वहीं अब कांग्रेस सरकार(Congress Party) ने भी राम मंदिर के उद्घाटन समारोह का न्योता ठुकरा दिया है। जिसके बाद भाजपा सरकार



ने कांग्रेस(पर निशाना साधा है। कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए पार्टी ने कहा की ये अब बहिष्कार पार्टी बन गई है। बीजेपी ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि ये अब गांधी की नहीं नेहरु की पार्टी बन गई है। राम और कृष्ण विरोधी ताकतें इस देश में मजबूत हो रही

हालाँकि कांग्रेस ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल न होने का अपना कारण बताया है। लेकिन बीजेपी सांसद हरनाथ सिंह यादव (Harnath Singh Yadav) ने पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने

शुरूआत से ही राम जन्मभूमि पर मंदिर का विरोध किया। उसने रास्ते में रोड़े लगाने का कोई मौका नहीं छोड़ा। उनके पास अपने पाप और अपराधों को धोने का मौका था, लेकिन उन्होंने वो भी गंवा दिया। इस देश के लोग भगवान राम के साथ खड़े हैं। कांग्रेस ही नहीं, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव तो न्योते को स्वीकारने से भी इनकार कर चुके हैं। वे भी अपने पिता की गलतियों का प्रार्थश्चित कर सकते थे। लेकिन उन्होंने यह मौका गंवा दिया। राम और कृष्ण विरोधी ताकतें इस देश में मजबूत हो रही हैं। ये सभी

हिंदू-विरोधी ताकतें हैं। कांग्रेस पार्टी लगातार हिंदू मान्यताओं का कर रही विरोध इसके साथ ही केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी (Prahlad Joshi) ने भी कांग्रेस सरकार पर तंज करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी का शुरू से ही यही रवैया रहा है, यहां तक कि जब पुनर्निर्माण के बाद सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन हुआ था, उस समय तत्कालीन राष्ट्रपति ने वहां जाने का फैसला किया था, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री और कांग्रेस पार्टी ने इस कदम का विरोध किया।इस दिन से राम और कृष्ण विरोधी ताकतें इस देश में मजबूत हो रही हैं। उस दिन से कांग्रेस पार्टी तुष्टिकरण के लिए लगातार हिंदू मान्यताओं का विरोध कर रही है। इन 30-40 वर्षों के दौरान जब भी राम मंदिर का मुद्दा आया, या तो उन्होंने इसकी आलोचना की या इसका विरोध किया इसलिए उनके इस फैसले से मुझे आश्चर्य नहीं हुआ

इसके अलावा भी भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी (Sudhanshu Trivedi) से लेकर कई बीजेपी नेताओं ने कांग्रेस के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल न होने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है।

मुंबई/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- पिछले 19 साल से बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान और सनी देओल के बीच अनबन चली आ रही थी। दोनों का झगड़ा फिल्म डर के सेट से शुरू हुआ था, लेकिन अक गदर-2 की सक्सेस पार्टी में सालों से चली आ रही दुश्मनी पर विराम लग गया है। दरअसल सनी देओल ने शाहरुख खान को अपनी फिल्म गदर-2 की सक्सेस पार्टी में इनवाइट किया था। जिसके बाद शाहरुख अपने बिजी शेड्यूल से समय निकालकर पहुंचे और दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाकर गिले-शिकवे में मीटा दिए।

हाल ही में मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में सनी देओल ने शाहरुख से हुए झगड़े और बातचीत बंद होने पर खुलकर बात की है। सनी ने कहा, मैं शाहरुख खान का शुक्रगुजार हूं। उस समय शाहरुख दुबई में फिल्म जवान के प्रमोशनर्स में बिजी थे, जब मैंने उन्हें कॉल किया था। मैंने उन्हें फिल्म

19 साल बाद खत्म हुई सनी-शाहरुख की दुश्मनी

मुंबई/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- पिछले 19 साल से बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान और सनी देओल के बीच अनबन चली आ रही थी। दोनों का झगड़ा फिल्म डर के सेट से शुरू हुआ था, लेकिन अक गदर-2 की सक्सेस पार्टी में सालों से चली आ रही दुश्मनी पर विराम लग गया है। दरअसल सनी देओल ने शाहरुख खान को अपनी फिल्म गदर-2 की सक्सेस पार्टी में इनवाइट किया था। जिसके बाद शाहरुख अपने बिजी शेड्यूल से समय निकालकर पहुंचे और दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाकर गिले-शिकवे में मीटा दिए।

हाल ही में मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में सनी देओल ने शाहरुख से हुए झगड़े और बातचीत बंद होने पर खुलकर बात की है। सनी ने कहा, मैं शाहरुख खान का शुक्रगुजार हूं। उस समय शाहरुख दुबई में फिल्म जवान के प्रमोशनर्स में बिजी थे, जब मैंने उन्हें कॉल किया था। मैंने उन्हें फिल्म



गदर-2 की सक्सेस पार्टी में बुलाया था। मुझे लगा था वो नहीं आ सकेंगे, लेकिन वो समय निकालकर सीधे मेरी पार्टी में पहुंच गए। हम दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया। पार्टी में मुझे उनसे खुलकर बात करने का मौका नहीं मिला, लेकिन मुझे यकीन है जब भी बात होगी अच्छी होगी।

उन्होंने आगे कहा, एक्टर्स के तौर पर हमारे बीच कई बातें होती हैं। हम जवान थे, उस समय हम कुछ अोर थे। लेकिन जैसे-जैसे समय बीता है हम समझदार हो जाते हैं। हम जिंदगी की सच्चाई

समझ जाते हैं। वक्त सब ठीक करता है। अब हम घेंटली सिक्योर हैं। जब हम जवान थे हम ऐसे नहीं हैं, अब हमें पता है कि हमने क्या गलती की है।

क्या था शाहरुख- सनी का झगड़ा ?

शाहरुख खान और सनी देओल साल 1993 में रिलीज हुई यशराज चोपड़ा की फिल्म डर में साथ नजर आए थे। सनी फिल्म के हीरो थे, जबकि शाहरुख का फिल्म में नेगेटिव रोल था। फिल्म में जिस समय बीता है हम समझदार हो जाते हैं। हम जिंदगी की सच्चाई

समझ जाते हैं। वक्त सब ठीक करता है। अब हम घेंटली सिक्योर हैं। जब हम जवान थे हम ऐसे नहीं हैं, अब हमें पता है कि हमने क्या गलती की है।

क्या था शाहरुख- सनी का झगड़ा ?

शाहरुख खान और सनी देओल साल 1993 में रिलीज हुई यशराज चोपड़ा की फिल्म डर में साथ नजर आए थे। सनी फिल्म के हीरो थे, जबकि शाहरुख का फिल्म में नेगेटिव रोल था। फिल्म में जिस समय बीता है हम समझदार हो जाते हैं। हम जिंदगी की सच्चाई

22 फरवरी को शादी के बंधन में बंधेंगे रकुल और जैकी भगनानी!

मुंबई/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह और प्रोड्यूसर जैकी भगनानी शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। रिपोटर्स के मुताबिक, दोनों इसी साल 22 फरवरी को गोवा में शादी करेंगे। इस शादी में सिर्फ फैमिली मेंबर्स और क्लोज फ्रेंड्स शामिल होंगे। हालांकि, रकुल या उनके परिवार की तरफ से कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है। शादी के फंशन से जुड़ी दूसरी जानकारीयां भी अभी सामने नहीं आई हैं।

बैंकों में जैकी बैचलर पार्टी मना रहे हैं

करीबी सूत्र का कहना है – वो दोनों पर्सनल लाइफ से जुड़ी हर चीज प्राइवेट रखना चाहते हैं, इसलिए उन्होंने शादी सेरेमनी भी प्राइवेट रखी है। फिलहाल, वो लोग शादी की तैयारियां में बिजी होने से पहले छुट्टियां एंजॉय कर रहे हैं। रिपोटर्स के मुताबिक, जैकी अभी बैंकों में हैं और अपनी बैचलर पार्टी एंजॉय कर



रहे हैं। वहीं, रकुल थाईलैंड में छुट्टियां मना रही है।

2022 में रकुल ने रिश्ते पर लगाई थी मुहर

रकुल और जैकी करीब 2 साल से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों अक्सर एक दूसरे के साथ वेशेन पर जाते रहते हैं। रकुल ने 2022 में अपने बर्थडे पर जैकी के साथ एक रोमांटिक फोटो पोस्ट कर अपने रिलेशनशिप को कंफर्म किया था। उन्होंने जैकी को उस साल का सबसे बड़ा गिफ्ट बताया था।

अपनी लव स्टोरी के बारे में रकुल

ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वो दोनों पड़ोसी थे, लेकिन कभी उनकी बातचीत नहीं हुई थी। फिर एक कॉमन फ्रेंड के जरिए दोनों मिले। इस मुलाकात के बाद दोनों में बातचीत शुरू हुई। कुछ समय की दोस्ती के बाद दोनों एक दूसरे को डेट करने लगे।

लगभग 41 फिल्मों में नजर आ चुकी हैं रकुल

रकुल का जन्म 10 अक्टूबर 1990 को नई दिल्ली में रहने वाले पंजाबी सिख परिवार में हुआ था। रकुल बचपन से ही एक्ट्रेस बनना चाहती थीं। इसी कारण उन्होंने 18 साल की उम्र में मॉडलिंग करना शुरू किया था। फिर उन्होंने 2009 में कन्नड़ फिल्म गिली से एक्टिंग डेब्यू किया। 2014 की फिल्म यात्रियां से उन्होंने बॉलीवुड डेब्यू किया था। कन्नड़, हिंदी फिल्मों के अलावा उन्होंने तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी काम किया है। वो अब तक 41 फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

मानसी शर्मा / – भारत और अफगानिस्तान के बीचचीन मैचों की टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला आज मोहाली में खेला जाएगा। इस सीरीज में एक बार फिर रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी हुई है। लंबे समय बाद रोहित शर्मा टी-20 में टीम कप्तानी करते हुए दिखाई देंगे। वहीं पहले मुकाबले में विराट कोहली अपने निजी कारणों की वजह से नहीं खेलेंगे। रोहित और कोहली की वापसी के बाद हर किसी की निगाहें अब टीम इंडिया के प्लेइंग-11 पर होगी। साथ ही उनकी वह वापसी के बाद टीम किस खिलाड़ी को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। ये देखने वाली बात होगी हालांकि, विराट कोहली



मौजूद नहीं रहेंगे। जिसकी वजह से टीम मैनेजमेंट को थोड़ी राहत मिली है। लेकिन अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों में कोच और मैनेजमेंट के लिए सिरसर्द बना हुआ है।

रोहित और यशस्वी होंगे सलामी बल्लेबाज

सलामी बल्लेबाज के

रोहित और यशस्वी की ओपनिंग जोड़ी के साथ ही मैदान में उतरेंगी। उन्होंने बताया कि इन दोनों बल्लेबाजों की वजह से राइट और लेफ्ट हैंड बैटिंग का कॉम्बिनेशन मिलता है। जोकि टीम के लिए फायदेमंद हो सकता है। साथ ही जायसवाल के अबतक के प्रदर्शन पर कोच राहुल द्रविड़ ने खुशी जाहिर की है।

अक्षर और कुलदीप को मिलेगी जगह

बल्लेबाजी के बाद तेज गेंदबाजी के लिए टीम के पास सिर्फ तीन तेज गेंदबाज उपलब्ध है। आवेश खान, अशर्फी सिंह और मुकेश कुमार इन तीनों गेंदबाजों को मौका दिया जाएगा। वहीं टीम में स्पिनरों के लिए सिर्फ 2 ही जगह खाली है। उस जगह के लिए 4

चार गेंदबाज अपनी दवेदारी पेश कर रहे हैं। जिसमें सिर्फ दो ही खिलाड़ियों का जगह मिल सकती है। जिसमें अक्ष? पटेल की जगह पक्की मानी जा रही है। क्योंकि वह गेंदबाजी के साथ-साथ बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। दूसरे गेंदबाजी के रुप में कुलदीप यादव को जगह दी जा सकती है। क्योंकि उन्होंने विश्वकप कप साउथ अफ्रीका में शानदार गेंदबाजी की है।

संभावित प्लेइंग 11

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, रिकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अशर्फी सिंह, आवेश खान और मुकेश कुमार

सांसद प्रवेश वर्मा के साथ 400 युवाओं ने देखा राष्ट्रीय युवा सप्ताह पर पीएम मोदी का प्रसारण

जनकपुरी के आईआईटीएम में नेहरू युवा केंद्र ने किया राष्ट्रीय युवा सप्ताह का आयोजन, भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को किया पुरष्कृत



जनकपुरी/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- नेहरू युवा केंद्र जिला दक्षिण पश्चिम, दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय युवा सप्ताह 2024 का आयोजन आईआईटीएम जनकपुरी में 12 जनवरी को किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पश्चिमी दिल्ली के सांसद प्रवेश वर्मा ने 400 छात्र-छात्राओं के साथ राष्ट्रीय युवा सप्ताह के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नासिक से सीधा प्रसारण देखा। कार्यक्रम विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व महापौर श्री नरेंद्र चावला, श्रीमती



उर्मिला चावला निगम पार्श्व, जनकपुरी, आईआईटीएम के चेयरमैन श्री शर्मा जी व जर्नलिस्ट श्री शिव कुमार यादव रहे। माननीय सांसद प्रवेश वर्मा के जनकपुरी स्थित आईआईटीएम परिसर में पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। आईआईटीएम की प्रिंसिपल श्रीमति राणा व एनवाईके की डीवाईसी अंजलि चौधरी ने उन्हें बुके व शाल भेंट कर उनका स्वागत किया। प्रसारण के उपरान्त सांसद वर्मा ने उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा की आज



की युवा पीढ़ी को स्वामी विवेकानंद जी के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए और तब तक नहीं रुकना जब तक तुम अपना लक्ष्य प्राप्त नहीं कर लेते। साथ ही नेहरू युवा केंद्र की तरफ से एक सांस्कृतिक प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रथम, द्वतीय व तृतीय विजेताओं को पुरष्कृत किया गया। आज माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा राष्ट्रीय युवा सप्ताह के उद्घाटन भाषण का सीधा प्रसारण करीब 400 युवाओं ने सुना और देखा। इसके बाद



सांसद वर्मा ने आईआईटीएम परिसर में लगी एसएचजी महिलाओं की स्टॉलों का निरीक्षण किया और युवाओं से स्वदेशी अपनाने की अपील की। साथ ही पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए सांसद ने सभी से पॉलीथिन बैग छोड़ने का आग्रह किया। आज ही सड़क सुरक्षा सप्ताह का प्रारंभ माननीय सांसद द्वारा स्कूली बच्चों को झंडा दिखा कर किया गया। कार्यक्रम के अंत में एनवाईके के अधिकारी सुरेन्द्र बोकन ने सभी का आभार प्रकट किया।

द्वारका एंटी बर्गलरी सेल ने उत्तम नगर से एक सेंधमार को किया गिरफ्तार



द्वारका/नई दिल्ली/सुनील बाल्यान/- द्वारका एंटी बर्गलरी सेल ने उत्तम नगर के 100 फूटा रोड से एक सेंधमार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किये गए बदमाश का नाम शहवाज है, जो उत्तम नगर के ओम विहार का रहने वाला है। पुलिस ने इसके पास से चोरी किये हुए सोने चांदी के जेवरात और तीन मोबाइल बरामद किये है। इसकी गिरफ्तारी से पुलिस ने चोरी के कार मामले को सुलझाने का दावा किया है।

द्वारका जिले के डीसीपी एम हर्षवर्धन ने जानकारी देते हुए बताया की तीन जनवरी को एक व्यक्ति ने उत्तम नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी किसी ने उसके घर का ताला तोड़कर उसमें रखे सोने चांदी के जेवरात और 46 हजार रूपए नकद चोरी कर लिए है। मामले की छानबीन के लिए ऑपरेशन सेल के एसीपी राम अवतार और इंस्पेक्टर विवेक मंडोला की देखरेख में एसआई विनोद, एसआई कृष्ण, महिला हेड कांस्टेबल सोनिया, हेड कांस्टेबल बलजीत, आजाद और कांस्टेबल सुभाष की टीम बनाई गई। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपी का पता लगाया तभी पुलिस को सूचना मिली की इस चारदात का आरोपी उत्तम नगर के 100 फूटा रोड पर आने वाला है। पुलिस ने ट्रैप लगाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस इससे पूछताछ कर रिसीवर हिमांशु की तलाश कर रही है।

महबूबा मुफ्ती की कार का एक्सीडेंट, खानबल पीड़ितों से मिलने के लिए जा रही थीं महबूबा



मानसी शर्मा / - पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी प्रमुख की कार महबूबा मुफ्ती गुरुवार को जम्मू-कश्मीर में गुजरात में आग लगने की घटना के पीड़ितों से मिलने के लिए जा रही थीं। इस हादसे में उन्हें कोई चोट नहीं आई। हालांकि, उनकी निजी सुरक्षा में तैनात एक पुलिस अधिकारी को हल्की चोटें आई हैं। आपको बता दें कि, कार का एक्सीडेंट होने के बाद भी पीडीपी

प्रमुख पहले से तय यात्रा पर आगे निकल गईं। पार्टी के एक प्रवक्ता ने हादसे के बारे में बताया कि महबूबा सुरक्षित हैं और उन्हें कोई चोट नहीं आई है। आग से अब्दुल गनी वानी, अशरफ पुशु, सज्जाद वानी, मुश्ताक हंडरू, निसार अहमद गुड्डा, बेबी जान, मुख्तार अहमद और जावेद अहमद शकसजज के घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पुलिस इस संबंध में जांच में जुटी है।

राम के नाम पर धोखाधड़ी, अगर आपके पास आए ये मैसेज तो हो जाएं सावधान



मानसी शर्मा / - अयोध्या में राम मंदिर की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं, जहां एक तरफ राम भक्त दर्शन करने के लिए उत्सुक हैं। वहीं दूसरी तरफ जालसाज भी इस मौके का फायदा उठाते में लगे हुए हैं। लोगों को WhatsApp पर अज्ञात नंबरों से रामलला के VIPदर्शन के लिए मैसेज आ रहे हैं। लोगों को आ रहे है ये मैसेज 22 जनवरी बेहद खास दिन है और जालसाज इस दिन लोगों को वीआईपी दर्शन कराने का लालच दे रहे हैं। व्हाट्सएप पर तीन मैसेज आ रहे हैं, पहले मैसेज में राम जन्मभूमि गृह संपर्क अभियान, एपीके दिख रहा है। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि यह कोई मैसेज नहीं बल्कि एक एपीके फाइल है, इस फाइल पर गलती से भी क्लिक करने की गलती न करें। दूसरे मैसेज में आपको लिखा दिखेगा, वीआईपी एक्सेस पाने के लिए राम जन्मभूमि गृह संपर्क अभियान इंस्टॉल करें। इसके अलावा तीसरे मैसेज में लिखा होगा कि बधाई हो, आप भाग्यशाली हैं, आपको 22 जनवरी को राम मंदिर में दर्शन के लिए वीआईपी सुविधा मिलेगी। कुल मिलाकर इस तरह के फर्जी मैसेज भेजकर लोगों

को चूना लगाया जा रहा है, अगर आपने गलती से एपीके फाइल पर क्लिक कर दिया तो आपका फोन हैक हो सकता है और आपका बैंक अकाउंट भी खाली हो सकता है। यह घोटाला लाखों लोगों के साथ हो रहा है, यह मैसेज तेजी से वायरल हो रहा है।

यह गलती करने से बचें

पहली गलती अगर आपके पास भी ऐसा कोई मैसेज आता है तो सबसे पहले आप मैसेज में दिए गए किसी भी लिंक पर क्लिक करने की गलती न करें। दूसरी गलती, ऐसा कोई भी मैसेज किसी को फॉरवर्ड न करें। तीसरा काम, अयोध्या में राम मंदिर के नाम पर आने वाले ऐसे किसी भी मैसेज को तुरंत रिपोर्ट करें और ब्लॉक करें। रिपोर्ट करने के लिए आपको चैटबॉक्स के ऊपर दाईं ओर तीन डॉट मेनू पर टैप करना होगा, इसके बाद आपको ट्विंद्री विकल्प पर क्लिक करना होगा। यहां आपको रिपोर्ट का विकल्प दिखाई देगा।

प्रेमी-प्रेमिका को दी दर्दनाक मौत , मिली खौफनाक सजा

मानसी शर्मा /- उत्तर प्रदेश के बदायूं में ऑनर किलिंग का मामला सामने आया है। प्रेमी से मिलते समय प्रेमिका के परिजनों ने प्रेमी-प्रेमिका को फावड़ा से काटकर मौत के घाट उतार दिया। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही इस मामले की जांच में जुट गई। जानकारी के अनुसार, यह घटना बदायूं के बिल्सी थाना क्षेत्र के परौली गांव की है। जहां सुबह करीब 4 बजे की है। जब प्रेमी अपनी प्रेमिका से मिलने आया था। उसी लड़की के परिजनों ने दोनों के उपर हमला कर दिया। और दोनों की हत्या कर दी। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। बेटी और उसके प्रेमी की हत्या कर आरोपी ने थाने में

लिए जा रही थीं महबूबा पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती, खानबल में आग लगने की घटना के पीड़ितों से मिलने के लिए जा रही थीं। इस हादसे में उन्हें कोई चोट नहीं आई। हालांकि, उनकी निजी सुरक्षा में तैनात एक पुलिस अधिकारी को हल्की चोटें आई हैं। आपको बता दें कि, कार का एक्सीडेंट होने के बाद भी पीडीपी

दिल्ली-NCR में भूकंप के झटके, कैसे करें बचाव?



मानसी शर्मा / - राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली-NCR में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। भूकंप के ये झटके काफी देर तक महसूस किये गये। भूकंप आते ही लोग अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आये। फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। आपको बता दें कि,भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के फैजाबाद में था और हिंदूकुश क्षेत्र में रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 6.2 थी। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के पीर पंचाल इलाके के दक्षिण में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए।

पाकिस्तान में भी भूकंप के तेज झटके

इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के पीर पंचाल इलाके के दक्षिण में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। यहां से कुछ ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं जिनमें लोग अपने घरों और दफ्तरों से बाहर भागते नजर आ रहे हैं।

क्यों आते हैं भूकंप ?

दरअसल, धरती की मोटी परत जिसे क्टोसैनिक प्लेट्स कहा जाता है, वह अपनी जगह से खिसकती रहती है। ये प्लेट्स असमूम हर साल करीब 4-5 मिमी तक अपने स्थान से खिसक जाती हैं। ये क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर , दोनों ही तरह से अपनी जगह से हिल सकती हैं। इस क्रम में कभी कोई प्लेट दूसरी प्लेट के निकट जाती है तो कोई दूर हो जाती है।

इस दौरान कभी-कभी ये प्लेट्स एक-दूसरे से टकरा जाती हैं। ऐसे में ही भूकंप आता है और धरती हिल

जाती है। ये प्लेटें सतह से करीब 30-50 किमी तक नीचे हैं।

कैसे करें बचाव ?

अगर अचानक भूकंप आ जाए तो घर से बाहर खुले में निकल जाएं। यदि आप घर में फंस गए हों तो बेड या मजबूत टेबल के नीचे छिप जाएं। घर के कोनों में खड़े होकर भी खुद को बचा सकते हैं। भूकंप आने पर लिफ्ट का प्रयोग बिल्कुल न करें।

खुले स्थान में जाएं, पेड़ व बिजली की लाइनों से दूर रहें। इसके अलावे भूकंप रोधी मकान भी उतने ही जरूरी होते हैं। यह हालांकि बहुत महंगा नहीं होता, पर इसे लेकर लोगों में जागरूकता की कमी के कारण अक्सर लोग इसकी अनदेखी कर बैठते हैं।

राम मंदिर में बाल स्वरूप और श्याम वर्ण में विराजेंगे रामलला

मानसी शर्मा /- 22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर में रामलला विराजमान होंगे। इसके लिए 7 दिवसीय समारोह का आयोजन किया गया है। जिसके लेकर अभी तैयारियां जोरों पर है। अयोध्या के साथ-साथ पूरे देश में इसके भव्य उद्घाटन का इंतजार किया जा रहा है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देश के कई दिग्गज नेता, अभिनेता आलाकार व उद्योगपतियों को न्योता भेजा जा रहा है। कहा जा रहा है कि राम मंदिर में विराजमान होने वाली भगवान राम की नई मूर्ति दुनिया की सबसे अनोखी मूर्ति होगी। ऐसे में चलिए जानते हैं कि रामलला की



पुरानी मूर्ति का क्या होगा। **बालस्वरूप में विराजेंगे रामलला** दरअसल राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला की 51 इंच लंबी मूर्ति स्थापित की जाएगी। जिसमें रामलला बाल स्वरूप में होंगे। मूर्ति

में रामलला को खड़े हुए दिखाया गया है। मंदिर के गर्भगृह में रामलला कमल के फूल पर विराजमान होंगे। कमल के फूल के साथ उनकी लंबाई करीब 8 फीट होगी। वहीं बात करें रामलला की पुरानी मूर्ति की तो कहा जा रहा है

कि नई मूर्ति को अचल मूर्ति कहा जाएगा, जबकि पुरानी मूर्ति उत्सव मूर्ति के तौर पर जानी जाएगी। नई मूर्ति के विराजमान के बाद उत्सवमूर्ति को श्रीराम से जुड़े सभी उत्सवों में विराजमान किया जाएगा। वहीं नई मूर्ति गर्भ गृह में भक्तों के दर्शन के लिए विराजमान रहेगी। **किसने बनी रामलला की मूर्ति** रामलला की श्याम वर्ण की 51 इंच ऊंची मूर्ति के लिए अरुण योगीराज का चयन हुआ है। साथ ही इस कमेटी ने रामलला की मूर्ति में बालपन की झलक, सौन्दर्य आकर्षण की बात कि गई थी। साथ ही कमेटी ने पत्थर की गुणवत्ता को भी परखागया था। ऐसे में यह जाना

जरूरी है कि आखिर मंदिर में स्थापित होने वाली मूर्ति किसने बनाई। तो आईए आपको बताते है कि राम मंदिर मे स्थपित होने वाली 51 इंच ऊंची मूर्ति किसने बनाई। इस मूर्ति के चयन के लिए मैसूर के शिल्पकार अरुण योगिराज को चुना गया है। अरुण योगीराज की ओर से बनाई गई रामलला की श्याम वर्ण मूर्ति 51 इंच ऊंची है। मूर्ति में भगवान 5 साल के बालरूप में नजर आ रहे हैं। मूर्ति कर्नाटक की कृष्ण शिला से बनी है। वहीं इस मूर्ति को बनाने में अरुण योगीराज को 6 महीने का वक्त भी लगा। अरुण योगीराज का परिवार सालों से मूर्तियां बनाता रहा है।

जापान में नए साल पर महसूस किए गए 150 से अधिक भूकंप के झटके

मानसी शर्मा /- नए साल के पहले दिन जापान में 150 से ज्यादा भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के कारण मृतकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। झटकों के बाद कम से कम 24 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है, वहीं अभी तक97,000 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। द जापान टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह संख्या बढ़ भी सकती है। 7.6-प्रारंभिक तीव्रता वाले भूकंप ने कई इमारतों को गट कर दिया, कई जगहो पर आग लग गई और हजारों घरों में बिजली गुल हो गई।झटकों के बादजापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने शुरू में इशिकावा प्रान्त के लिए एक बड़ी सुनामी की चेतावनी जारी की, इसके बाद कुछ तटीय क्षेत्रों के निवासियों को ऊंचे स्थानों पर भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, इस क्षेत्र में इस दशकों से अधिक समय में सबसे शक्तिशाली भूकंप आए हैं, वहीं अब बचाव कार्यों में सहायता के लिए सेना के जवानों को तैनात किया गया है। भूकंप का झटका पड़ोसी नागानो प्रान्त के पहाड़ों में भी महसूस किया गया। जापानी सरकार ने कहा कि



सोमवार रात तक, उसने जापान के मुख्य द्वीप होंशू के पश्चिमी तट पर नौ प्रान्तों में 97,000 से अधिक लोगों को खाली करने का आदेश दिया था। उन्हें खेल हॉल और स्कूल व्यायामशालाओं में रात बिताने के लिए तैयार किया गया था, जिन्हें आमतौर पर आपात स्थिति में निकासी केंद्र के रूप में उपयोग किया जाता था। प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा कि उन्होंने खोज और बचाव टीमों को जान बचाने के लिए हर संभव प्रयास करने का निर्देश दिया है।मंगलवार को एक आपातकालीन आपदा बैठक के दौरान उन्होंने कहा, "भूकंप से प्रभावित लोगों की खोज और बचाव समय के खिलाफ लड़ाई है।" भूकंप से जापान के लंबे पश्चिमी

समुद्री तट के साथ-साथ पड़ोसी दक्षिण कोरिया में लगभग 1 मीटर (3.3 फीट) ऊंची लहरें उठीं। आपदा के एक दिन बाद भी क्षति की सीमा और साथ ही मरने वालों की संख्या स्पष्ट नहीं है, सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों की प्रमुख सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं, जिससे बचाव प्रयासों में बाधा उत्पन्न हुई। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों और जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, सोमवार को सुदूर नोटो प्रायद्वीप में पहली बार आए भूकंप के बाद से 90 से अधिक झटके पाए गए हैं। एजेंसी ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में और भी तेज झटके आ सकते हैं। प्रभावित क्षेत्रों में कई रेल सेवाएं और उड़ानें भी निलंबित कर दी गई हैं

मानसी शर्मा /- पाकिस्तान की सीमा हैदर और हिन्दुस्तान के सचिन मीणा की लव स्टोरी किसी से छुपी नहीं है। अपनी प्रेम कहानी के चलते ही दोनों चर्चा का केंद्र बनें रहते हैं। पर इस बीच उनकी चर्चा का विषय उनकी लव स्टोरी नहीं, बल्कि सीमा हैदर की प्रेग्नेंसी थी। खबरे थीं की सीमा हैदर प्रेग्नेंट हैं। जिसका अब खुलासा हो गया है। सीमा हैदर ने खुद बताया है कि वह प्रेग्नेंट हैं। सीमा ने एक न्यूज चैनल से बताया कि वो सचिन के बच्चे की मां बनने वाली हैं। उन्होंने कहा कि सचिन का बर्थडे नजदीक आ रहा है। अच्छा रहेगा कि किसी और का भी जन्म हो जाए। जब उससे पूछा गया कि होली के पहले या बाद? इस पर सीमा ने कहा कि होली के पहले नहीं हो सकता, लेकिन हां जल्द ही खुशखबरी सुनने को मिलेगी। सचिन के पिता यानी सीमा हैदर के ससुर ने भी कन्हू बता दें कि सीमा हैदर फिलहाल अपने पति सचिन के साथ ग्रेटर नोएडा के रबपुरा कस्बे में रह रही है। सीमा हैदर ने एक न्यूज चैनल को बताया, ह2023 भी बहुत खुशियां लेकर आया। मैं मानती हूँ, थोड़ा-बहुत दुख हुआ। सचिन का बर्थडे भी नजदीक आ रहा है। अच्छा रहेगा कि किसी और का भी जन्म हो जाए।हब जब उससे पूछा गया कि होली के पहले या बाद? इस पर सीमा ने कहा कि होली के पहले नहीं हो सकता, लेकिन हां जल्द ही खुशखबरी सुनने को मिलेगी। सीमा ने कहा कि बिचकुल खुशियां आएंगी। मिठाई भी आपको खिलाएंगे। सीमा हैदर के अलावा सचिन के पिता यानी सीमा के ससुर ने भी उनकी प्रेग्नेंसी की बात कंफर्म की है। उन्होंने बताया कि उनकी बहू प्रेग्नेंट है। वह जल्द ही सचिन के बच्चे की मां बनेंगी। सचिन के पिता ने यह भी कहा कि वह गर्भवती महिला का हाथ देखकर बता देते हैं कि उस महिला को लड़का होगा या लड़की।



एमपी से राजस्थान तक लॉकडाउन..यात्री बेहाल..स्टेशन, बस स्टैंड पर मातम !

मानसी शर्मा /- केंद्र सरकार के द्वारा लाये गए नए हिट एंड रन केस के कानून के खिलाफ देश भर के ट्रक ड्राइवर सड़कों पर उतर गए हैं जिसकी वजह से जगह जगह लंबा जाम देखने को मिल रहा है। ड्राइवरों के साथ तमाम ट्रांसपोर्ट यूनियन भी इस कानून के विरोध में सड़कों पर उतर आए हैं। आल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (गैर राजनीतिक) ने आज दोपहर में इस संबंध में देशभर के ट्रांसपोर्ट यूनियनों की तत्काल बैठक बुलाई है, जिसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी। दरअसल जो केंद्र सरकार ने नया हिट एंड रन केस कानून में बदलाव किया है उसके तहत अब अगर गाड़ी ड्राइवर हादसे के बाद पुलिस को सूचना दिए बिना फरार होता है तो उसे 10 साल की सजा होगी और 7 लाख तक का जुर्माना भी देना पड़ सकता है। पहले धारा 104 में लापरवाही से या फिर जल्दबाजी से हुई मौत में दो वर्ष की सजा या जुर्माना या फिर दोनों का प्रावधान था। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के अनुसार, भारत में हिट एंड रन के मामलों में हर साल 50 हजार लोग गंवाते हैं जान।

जिसके चलते ये बड़ा कदम उठाना पड़ा है। नए कानून का विरोध करने वाले ड्राइवर का कहना है कि अगर दुर्घटना के बाद वे मौके से फरार होते हैं तो उन्हें 10 साल की सजा



हो जाएगी। अगर वे मौके पर ही रुक जाते हैं तो भीड़ उन पर हमला करके पीट पीट कर मार देगी।जिसके चलते उन्हें भारी नुकसान हर हाल में उठाना पड़ेगा। हिट एंड रन का सीधा सा अर्थ है कि दुर्घटना के बाद ड्राइवर का गाड़ी के साथ मौके से भाग जाना। अगर किसी गाड़ी से किसी को टक्कर लग गई घायल की मदद करने के बजाय ड्राइवर गाड़ी को लेकर फरार हो जाता है तो ऐसे केस हिट एंड रन में गिने जाते हैं। हिट एंड रन के पुराने कानून के मुताबिक ऐसे मामलों में ड्राइवर को जमानत भी मिल जाती थी और अधिकतम दो साल की सजा का

प्रावधान था। कई बार हम देखते हैं कि दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अगर एक्सीडेंट करने वाला समय पर अस्पताल पहुंचता देता है तो उसकी जान बच जाती है। हालांकि, एक्सीडेंट के बाद मौके से भागने के केस को हिट एंड रन कहा जाता है। ऐसी ही केस में सख्ती का प्रावधान किया गया है। **हड़ताल का कहा कहा हुआ असर!** हिट एंड रन के नए कानून के विरोध में सोमवार को मध्य प्रदेश समेत देश के 8 राज्यों राजस्थान, बिहार, छत्तीसगढ़, यूपी, उत्तराखंड, पंजाब और गुजरात में ट्रक, डंपर, बस आदि वाहनों के पहिए थम गए। भोपाल,

इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर समेत अन्य शहरों में बस स्टैंड से बसों का संचालन नहीं हुआ। प्रदेश के पांच लाख से ज्यादा ट्रक-डंपरों के रुकने से प्रदेशभर में पेट्रोल, अनाज, सब्जियों की सप्लाई ठप हो गई। प्रदेशभर के पेट्रोल पंपों पर लंबी भीड़ रही। भोपाल में 152 पेट्रोल पंपों में से शाम तक 18 पंप ड्राई हो गए थे। कई स्कूलों में छुट्टी: मप्र स्कूल वैन एसोसिएशन ने मंगलवार से स्कूल वैन और बसों का संचालन बंद करने का निर्णय लिया है। इसकी देखते हुए राजधानी के कई स्कूलों ने छुट्टी घोषित कर दी है। यही नहीं अगर ये हड़ताल यूही बढ़ता रहा तो आने वाले समय में फल-सब्जी दूध से लेकर जीवनयापन करने की कई सारी चीजें जल्द ही महंगा हो जाएगी। जिससे आम लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। ड्राइवरों की मांग है कि जब तक सरकार हिट एंड रन पर लाए गए नए कानून को वापस नहीं लेती, तब तक बस और ट्रक नहीं चलाएंगे। केंद्र सरकार ने नए परिवहन नियमों का ट्रांसपोर्ट कारोबारियों ने भी विरोध किया है।अब देखने वाली बात है कि सरकार क्या ट्रक ड्राइवर के द्वारा किये गए हड़ताल की वजह से झुकेंगी या ये नया कानून ऐसे ही बना रहेगा।

पीपीएफ अकाउंट वालों को मोदी सरकार देने जा रही है बड़ा तोहफा

मानसी शर्मा /- अगर आपका भी कोई पीपीएफ अकाउंट है तो यह खास खबर आपके ही लिए है। आपको बता दें कि पीपीएफ अकाउंट को लेकर मोदी सरकार ने बड़ा एलान किया है। सरकार ने इस नए साल पर पीपीएफ वालों को ये खास तोहफा देने का फैसला किया है। बता दें कि आरबीआई ने लगातार पांचवीं बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया, लेकिन सरकार की तरफ से जनवरी-मार्च 2024 के लिए पीपीएफ एनएससी आदि जैसी छोटी स्मॉल सेविंग स्कीम्स की ब्याज दरों में बदलाव करने की उम्मीद है। एक खबर के मुताबिक गवर्नमेंट सिक्वेरिटीज यील्ड के रशान को देखते हुए, स्मॉल सेविंग स्कीम्स पर ब्याज दरें बढ़ाए जाने की संभावना है। इंडिया स्टैंडर्स एंड रिसर्च के चीफ इकोनॉमिस्ट और सीनियर डायरेक्टर



(पर्सनल फाइनेंस) सुनील सिन्हा ने मीडिया से बात चीत करते हुए बताया कि पीपीएफ, एनएससी आदि जैसी स्मॉल सेविंग स्कीम्स पर ब्याज दरें अब बाजार से जुड़ी हुई हैं और 10-साल की जी-सेक यील्ड के साथ मिलकर चलती हैं। इसलिए, इन योजनाओं पर दी जाने वाली ब्याज दर बढ़ाई जा सकती है। एक सीनियर बैंकर ने मीडिया रिपोर्ट में बताया कि सरकार स्मॉल सेविंग स्कीम्स की ब्याज दरों पर फैसला लेने से पहले देश की लिक्विडिटी और महंगाई पर भी निगाह बनाई हुई है। हालांकि पीपीएफ, एनएससी और

केवीपी समेत स्मॉल सेविंग स्कीम्स पर ब्याज दरों की हर तिमाही समीक्षा की जाती है। वर्तमान समय में स्मॉल सेविंग स्कीम्स पर ब्याज दरें 4 फीसदी (पोस्ट ऑफिस सेविंग डिपॉजिट) और 8.2 फीसदी (सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम) के बीच हैं। स्मॉल सेविंग स्कीम्स मौजूदा ब्याज दरें-स्कीम का नाम ब्याज दर (फीसदी में) तीन कैटेगिरी में शामिल है स्मॉल सेविंग स्कीम स्मॉल सेविंग स्कीम 3 कैटेगिरी सेविंग डिपॉजिट, पब्लिक सिक्योरिटी स्कीम और मंथली इनकम स्कीम शामिल है। सेविंग डिपॉजिट में 1-3-साल की एफडी और 5-साल की आरडी को शामिल किया गया है। इनमें नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (एनएससी) और किसान विकास पत्र (केवीपी) जैसे सेविंग सर्टिफिकेट को भी जगह दी गई है।

विश्वप्रसिद्ध मंदिर जहां श्रीकृष्ण के चरण आज भी मौजूद हैं ..

मानसी शर्मा /- उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में स्थित है विश्व प्रसिद्ध खेरेश्वर धाम मंदिर.. शहर से 5 किलोमीटर दूर खैर रोड पर सिद्धपीठ खेरेश्वर धाम का इतिहास द्वार युग से जुड़ा हुआ है। खेरेश्वर धाम मंदिर का इतिहास बेहद पुराना है। कहा जाता है कि खेरेश्वर मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बड़े भाई बलराम (दाऊजी) महाराज के साथ गंगा स्नान के लिए रामघाट जाते समय यहां विश्राम किया था। उसी समय श्रीकृष्ण ने खेरेश्वर मंदिर में भगवान शिव की पूजा अर्चना की थी। तब से लेकर आज तक सोमवार को यहां सुबह से लेकर शाम तक भक्तों की विशेष भीड़ रहती है। सावन माह व देवछठ पर यहां मेला लगता है। खास बात यह है कि महाशिवरात्रि पर्व यहां 24 घंटे में सात लाख से अधिक श्रद्धालु जलाभिषेक करने



आते हैं। अलीगढ़ की तहसील कोल के गांव ताजपुर-रसूलपुर में खेरेश्वर मंदिर स्थित है। अलीगढ़ का यह प्रमुख मंदिर है। यह मंदिर भगवान शिव के लिए समर्पित है। ये मंदिर सुंदर वास्तुकला के लिए भी मशहूर है। शिवलिंगम के रूप में भगवान शिव के अलावा, मंदिर में अन्य हिंदू देवताओं की कई पीतल की मूर्तियां हैं। मंदिर के पास छोटा सा तालाब है। चारो ओर सुंदर

मंच से हट्टा ने किया बड़ा ऐलान तथा नए साल में कांग्रेस की नई रणनीति

मानसी शर्मा /- हरियाणा के करनाल में कांग्रेस ने नए साल में नई रणनीति की शुरुआत कर दी है। जिसको एक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक सम्मेलन किया। जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा प्रदेश अध्यक्ष उदय भान, पूर्व स्पीकर कुलदीप शर्मा और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे। मंच से भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस ने भाजपा जजपा सरकार की पोल खोलने के लिए कई कार्यक्रम चलाए और अब घर घर कांग्रेस अभियान शुरू किया जाएगा। हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में बीजेपी-जेजेपी ने मिलकर जनता को ठगा है। हुड्डा ने कहा कि उनके शासन में हरियाणा प्रति व्यक्ति आय और निवेश में देश में नंबर एक पर था लेकिन आज बेरोजगारी और अपराध में नंबर एक पर है। उन्होंने ने कहा कि भाजपा राज में हरियाणा पर कर्ज 70 हजार करोड़ से बढ़ कर साढ़े चार लाख करोड़ हो गया है। पत्रकार वार्ता राम मंदिर पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए हुड्डा ने कहा राम सबके है उन्हें मंदिर उद्घाटन का न्योता नहीं मिला तो क्या हम पहले भी



गए है और आगे भी जायेंगे। हुड्डा ने कहा एसवाईएल का पानी हरियाणा को मिलेगा और हम लाएंगे नहर का कार्य हमारे समय में शुरू हुआ था और हम पानी हरियाणा में लाएंगे। हुड्डा ने राजस्थान में बीजेपी सरकार द्वारा 450 रुपए में गैस सिलेंडर देने को लेकर सीएम मनोहर लाल पर निशाना लगाया। उन्होंने कहा कि खडूर साहब को पहले हरियाणा में सस्ता सिलेंडर देना चाहिए। हुड्डा ने मंच से ऐलान किया कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने आए हम 2 लाख सरकारी नोकरिया देगे और 6 हजार पेंशन देगे। महिलाओं को गैस सिलेंडर 500 रुपए में मिलेगा। हुड्डा ने साथ ही साथ

ही ऐलान कर दिया की हमारी सरकार में हम 500 रुपए का गैस सिलिंडर देगे यह बात हुड्डा ने तब की जब उनसे कहा गया कि बीजेपी ने राज्यस्थान में गैस सिलिंडर का रेट कम कर दिया है जिसपर हुड्डा ने हरियाणा सरकार को आइना दिखाते हुए मुख्यमंत्री को कहा कि हरियाणा में तो कम कर दीजिए सिलिंडर के दाम। हुड्डा ने बीजेपी- जेजेपी सरकार पर जमकर निशाना साधा हुड्डा ने कहा की आप बताईं बीजेपी ने क्या किया है हरियाणा के लिए करनाल के लिए ही बता दो क्या किया हर अपराध हो बेरोजगारी हो हर मामले में हरियाणा नम्बर एक पर है ।

अब डायनासोर के बीच खेलेंगे बच्चे ,3.2 एकड़ में बना पार्क

मानसी शर्मा /- दिल्ली नगर निगम द्वारा सराय काले खां में जल्द ही खोला जाने वाला वेस्ट-टू-आर्ट डायनासोर पार्क भारत में आगामी तरह का पहला पार्क बनने की ओर अग्रसर है। अगले महीने के अंत तक जनता के स्वागत की उम्मीद है, पार्क में 54 विशाल डायनासोर प्रतिकृतियों का संग्रह होगा, जिनकी ऊंचाई 9 से 65 फीट और लंबाई 54 फीट तक होगी। जानकार अधिकारियों ने कहा कि ये प्रतिकृतियां पूरी तरह से स्कूप धातु, बेकार टायर, कारों के अवशेष और बागवानी कचरे से तैयार की गई हैं।

डायनासोर के बीच खेलेंगे बच्चे दिल्ली नगर निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारत और दूसरे देश में बहुत से डायनासोर के पार्क हैं, लेकिन यह भारत का पहला एकमात्र पार्क है जो बच्चों को काफी पसंद आएगा और बच्चे इन डायनासोर के बीच खेल सकेंगे। इसे ऐसा बनाया गया है कि बच्चे इसमें फिसलने वाले खेल और डायनासोर के पेट से निकलकर दूसरी ओर जाने वाले खेल खेल सकेंगे। डायनासोर के अंदर जलेंगी लाइट



अधिकारी ने बताया कि डायनासोर की प्रतिकृतियों के अंदर लाइटिंग के साथ साउंड की व्यवस्था होगी। जो हबूहू डायनासोर के बीच होने का अनुभव देगी। इसमें डायनासोर की गर्दन भी चलित होगी। वहीं, इसे ऐसा डिजाइन किया गया है कि दो से तीन फीट की डायनासोर की प्रतिकृतियों के साथ 40 और 60 फिट की प्रतिकृतियां हैं।ताकि लगेगा कि तबाही मच गई इसमें बच्चे स्लाइडिंग गेम भी खेल सकेंगे। डायनासोर को टूटी हुई कारों से लेकर और लोहे की वस्तुओं के ऊपर भी रखा गया है, ताकि ऐसा दिखे कि

डायनासोर के आने से इलाके में तबाही मच गई है। इन डायानासोर की बनाई गई प्रतिकृति पार्क में कोलोफिसस, ब्रोटीसारस, वेलेोसिरैटर, सिनटासारस, डाइनोसुवस, डाइनोनीवस, राजसीरस, प्रेनीसेफहेल, एंफिलोसारस, ट्राईसेराटाप्स, अमरगासारस, स्पिनोसार, टायरानोसारस, डिप्लोडोकस और स्टगेोसार जैसे डायनासोर की प्रतिकृति बनाई गई है। उल्लेखनीय है कि तत्कालीन दक्षिणी निगम ने वेस्ट टू वंडर पार्क से दिल्ली में ऐसे पार्क बनाने शुरू किए थे।

आंखों की रोशनी तेज करने के लिए टंड भर खाएं ये पत्तियां

मानसी शर्मा /- सर्दियों के मौसम में कई ऐसे साग सब्जी आती हैं जिसे खाने के लिए हम पूरे साल भर का वेट करते हैं। जैसे कि पालक, मेथी, बथुआ आदि सारे ऐसे साग होते हैं। बथुआ की बात स्पेशल तौर पर करें तो इसे कई तरह से खाया जाता है जैसे कि इसकी सब्जी, परांटे, रायता आदि के रूप में। बथुआ में वहीं कई तरह के फायदेमंद तत्व पाए जाते हैं जैसे कि पोटेशियम, विटामिन ए, बी, सी के साथ आयरन, कैल्शियम, पोटेशियम, फॉस्फोरस आदि। यदि आप आंखों की रोशनी को तेज बना के रखना चाहते हैं तो आप रोजाना बथुआ को डाइट में शामिल कर सकते हैं। क्योंकि आजकल ज्यादा समय हम लोग कंप्यूटर, लैपटॉप अथवा स्मार्टफोन के आगे व्यतीत करते हैं। साथ ही डाइट में प्रॉपर चीजों का सेवन नहीं करते। ऐसे में आंखों की रोशनी को तेज बना के खाना चाहते हैं तो डाइज में इन तरीकों से बथुआ का सेवन



कर सकते हैं। **ब्रेकफास्ट** बथुआ का सेवन करने के लिए आप इसके परांठों और रोटी में शामिल कर सकते हैं। आंखों की रोशनी को तेज करने रखने के लिए बथुए का पराठा एक बेहतरीन ऑप्शन साबित हो सकता है। वहीं, यदि आप चस्मा लगाते हैं तो ये आपके नंबर को भी घटा देगा। **लंच** यदि आप बथुए को लंच में एड

करना चाहते हैं तो आप इसे रायते के रूप में दही में मिक्स करके खा सकते हैं। इससे रायते का स्वाद भी बढ़ जाएगा और आपके आंखों की रोशनी के साथ सेहत भी स्वस्थ बनी रहेगी। **डिनर** आप बथुए को डिनर में सब्जी या साग के रूप में सेवन कर सकते हैं। इनका सेवन करना बहुत ही ज्यादा फायदेमंद होता है और स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है।

दिल्ली मुंबई रूट पर 200 किमी. की रफ्तार से दौड़ेंगी ट्रेनें, परियोजना पर तेजी से चल रहा काम

मानसी शर्मा /- दिल्ली-मुंबई के बीच 5 साल पहले 160 किमी. प्रतिघंटा की रफ्तार से ट्रेन चलाने के लिए मिशन रफ्तार परियोजना की शुरूआत हुई थी। 1478 किमी. रूट और करीब 8095 करोड़ रुपए के इस प्रोजेक्ट के काफ़ी काम पूरे हो चुके हैं। जल्द ही इस रूट पर इस रफ्तार से ट्रेनें दौड़ती नजर आएंगी। रेलवे सूत्रों के अनुसार परियोजना के पूरा होने के बाद इस रूट पर 200 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से भी ट्रेनें दौड़ाई जा सकेंगी। फिलहाल दिल्ली-मुंबई रूट पर पहली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन जल्द ही दौड़ती नजर आएगी। ऐसी संभावना रेलवे सूत्रों के अनुसार



जताई जा रही है।
स्पीड के लिए लगाई जा रही फेंसिंग
बता दें कि रूट पर ट्रेनें अपनी पूरी गति से चल सकें और उनके बीच में कोई गतिरोध उत्पन्न न हो सके। इसके लिए ही पटरियों के दोनों

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 2024 मई तक रूट पर स्पीड ट्रायल शुरू किए जा सकते हैं। देश की पहली स्लीपर वंदे भारत भी रूट पर चलाने की संभावना है।
कवच से होगा रूट सुरक्षित
ट्रेनों की स्पीड के साथ उनकी सेफ्टी को बढ़ाने के लिए पूरे रूट पर भारतीय रेलवे की कवच तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। जिन ट्रेनें में कवच लगा हो, उनका आमने-सामने से टकराना असंभव है, क्योंकि टकराने से पहले ट्रेन में ऑटोमैटिक ब्रेक लग जाएगी। दिसंबर, 2022 में पश्चिम रेलवे पर 735 किमी पर 90 इंजन में कवच

लगाने के लिए 3 कॉन्ट्रैक्ट अवॉर्ड हुए थे। इसमें से 142 किमी पर सफल ट्रायल हो चुका है। दिसंबर, 2024 तक कवच लगाने का काम पूरा होने की उम्मीद है। अब तक वड़ोदरा-अहमदाबाद सेक्शन में 62 किमी, विरार-सूरत पर 40 किमी और वड़ोदरा-रतलाम-नागदा सेक्शन में 37 किमी पर ट्रायल हो चुका है।
स्पीड बढ़ाने के लिए ये चल रहे काम
दिल्ली-मुंबई रूट पर ट्रेनों की औसत गति फिलहाल 80 से 100 किमी प्रतिघंटा है। ट्रेनों की स्पीड बढ़ाने के लिए ट्रैक को मजबूत करने और दोनों तरफ दीवार बनाने का काम चल रहा है। मिशन से

मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर नए कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े कानून के खिलाफ याचिका दायर की गई है। इसमें कोर्ट से केंद्र सरकार को मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए निष्पक्ष और स्वतंत्र चयन समिति के गठन का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। जनहित याचिका (पीआईएल) में कहा गया है कि केंद्र सरकार को चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में पूरी तरह पारदर्शिता बरतनी चाहिए। गौरतलब है कि केंद्र सरकार की तरफ से 28 दिसंबर को एक गजट नोटिफिकेशन जारी किया गया था। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े नए नियमों का उल्लेख किया गया है। क्या है नए कानून में प्रावधान मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) कानून को लेकर शुक्रवार को एक सरकारी अधिसूचना जारी की गई थी। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) विधेयक, 2023 में मुख्य चुनाव



आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए राष्ट्रपति को सिफारिश करने के लिए प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और एक केंद्रीय मंत्री की अध्यक्षता में एक चयन समिति का प्रावधान है। मुख्य चुनाव आयुक्त/आयुक्त के वेतन के संबंध में खंड 10 में संशोधन किया है। आयुक्तों को अभी सुप्रीम कोर्ट के जजों के बराबर वेतन मिलता है, लेकिन नए कानून के तहत उसमें आयुक्तों का वेतन कैबिनेट सचिव के बराबर कर दिया गया। कैबिनेट सचिव का वेतन जजों के बराबर है, लेकिन भत्तों व अन्य सुविधाओं में खासा अंतर है। सेवा शर्तों से जुड़े खंड-15 में संशोधन के साथ खंड 15(ए) जोड़ा गया है, जो चुनाव

आयुक्तों को कानूनी संरक्षण से जुड़ा है। खंड-15 में आयुक्तों के यात्रा भत्ते, चिकित्सा, एलटीसी व अन्य सुविधाओं को जिक्र है, जबकि 15 (ए) में कहा है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त या चुनाव आयुक्त जो फैसले लेंगे, उसके खिलाफ प्राथमिकी नहीं हो सकेगी, न ही फैसलों को कोर्ट में चुनौती दी जा सकेगी। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित खंड में संशोधन किया है, जिसमें आयुक्तों के सच पैलल का स्वरूप तय किया है। संशोधन के बाद अब आयुक्त की नियुक्ति से पहले देश के कानून मंत्री और भारत सरकार में सचिव स्तर के दो अधिकारी मिलकर पांच व्यक्तियों का पैलल तैयार करेंगे।

कनाडा-भारत के बिगड़ते रिश्तों पर विदेश मंत्री जयशंकर की दो टूक

-बोले, भारत-कनाडा के अच्छे रिश्तों में खालिस्तानी सबसे बड़ा रोड़ा

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- विदेश मंत्री जयशंकर ने कनाडा-भारत रिश्तों पर बेबाक अंदाज में टिप्पणी करते हुए कहा कि दोनों देशों के अच्छे रिश्तों में खालिस्तानी सबसे बड़ा रोड़ा है क्योंकि कनाडा की राजनीति में खालिस्तानी शामिल है। मीडिया को दिये एक इंटरव्यू में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर जयशंकर ने खुलकर बोला है। भारत और कनाडा के मौजूदा राजनयिक संबंधों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कनाडा की राजनीति ने खालिस्तानी ताकतों को पनाह दी हुई है। वे सभी सिधे तौर पर कनाडा की राजनीति में शामिल हैं। मुझे लगता है कि यही एक कारण है, जो दोनों देशों के संबंधों को नुकसान पहुंचा रहा है। यह



स्थिति भारत और कनाडा दोनों के लिए खतरा है। मेरा मानना है कि जितना यह भारत के खतरा है, उतना ही इससे कनाडा को भी नुकसान होगा। पाकिस्तान में आतंकवाद से जुड़े सवाल पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद का इस्तेमाल कर भारत को बातचीत के मेज पर लाता था, यही उनकी नीति रहती थी। अब हमने उनकी नीति को ही अप्रासंगिक कर दिया है। हम जानते हैं कि अंत में एक पड़ोसी ही पड़ोसी के काम आता है। लेकिन

हम उन शर्तों के आधार पर बातचीत नहीं करेंगे, जो उनके द्वारा निर्धारित की गई हो।
हम धृवीकृत दुनिया को एक मंच में लाने में सफल- जयशंकर
भारत के विश्वामित्र के तौर पर उभरने पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि कई विश्व के नेता भारत आना चाहते हैं। जब भी हम विश्वामित्र कहते तो, इसका उदाहरण जी20 है। जी20 से 12 घंटे पहले भी सम्मेलन के घोषणा पत्र को अंतिम रूप नहीं दिया गया था। सार्वजनिक रूप से कई लोग भविष्यवाणी कर रहे थे कि हम

बिफल हो जाएंगे, जिसका कुछ हिस्सा राजनीति से प्रेरित था। पहले उत्तर-दक्षिण में विभाजन था, वहीं पूर्व-पश्चिम में भी ध्रुवीकरण था। दो भागों में बंटे दुनिया को हमने एक मंच पर आने के लिए मजबूर किया है। गौर करने वाली बात ही कि सभी भारत आए, क्योंकि उनके साथ हमारे संबंध थे। भारत का नाम आते ही सभी ने समझौता कर लिया।
विदेशी मीडिया में भारत की छवि पर जयशंकर बोले
विदेशी मीडिया की भारत के बारे में रिपोर्ट पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि यह पूरी तरह से दिमागी खेल है। मैंने ये भी कभी नहीं कहा कि हम ही परफेक्ट हैं। कंपनी ने नहीं कह रहा हूं कि हमारे पास सुधार की गुंजाइश नहीं है। लेकिन उनके उद्देश्य और एजेंडों की बातों को समझिए। वे एजेंडा रहित नहीं हैं, वे उद्देश्यहीन नहीं हैं। वे एक निश्चित रेखा को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि विदेशी मीडिया जो कुछ

भी करता है, वो सब सही हो, ऐसा नहीं है। मैं कई अन्य लोकतंत्रों पर कह सकता हूं। उन्होंने कहा कि दुनिया हमें अधिक प्रासंगिक रूप में देखती है। कई विश्व नेता भारत आना चाहते हैं। मेरे लिए बतौर विदेश मंत्री यह सबसे बड़ी चुनौती है कि उन्हें ये बताना कि प्रधानमंत्री हर साल दुनिया के हर देश का दौरा नहीं कर सकते हैं। हर कोई देश चाहता है कि वे वहां आएँ। पीएम मोदी विश्व नेता हैं और यह मायने रखता है- जयशंकर विभिन्न देशों के नेताओं के साथ पीएम मोदी की केमिस्ट्री और विश्वसनीयता पर बोलते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि जब भी हम देखते हैं कि भारत बढ़ रहा है, तो हमारी रूचियां बढ़ जाती हैं। हमें और अधिक आकर्षक होने की जरूरत है। इस तरह का आकर्षण हो कि सब हमसे कनेक्ट हों। दुनिया के तमाम देश विश्व नेता के तौर पर पीएम मोदी को देखते हैं और यह बात मायने रखती है।

चीनी राष्ट्रपति ने पहली बार कबूली आर्थिक संकट की बात

बीजिंग/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- दुनिया के सामने सब कुछ छिपाने वाला चीन अब अपने आर्थिक संकट की बात को उजागर कर रहा है। यह पहली बार है जब राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आर्थिक संकट की बात कबूल की है। उन्होंने कहा कि चीन में बिजनेस संघर्ष कर रहे हैं और नौकरी चाहने वालों को काम खोजने में समस्या हो रही है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नव वर्ष की पूर्व संध्या के दौरान भाषण में इस बात को कबूल किया। शी जिनपिंग 2013 से लगातार नए साल का संदेश दे रहे हैं। लेकिन यह पहली बार है, जब उन्होंने आर्थिक चुनौतियों का जिक्र किया। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। जिनपिंग का बयान घटती डिमांड, बढ़ती बेरोजगारी और



पस्त व्यावसायिक विश्वास के बीच आया है। जिनपिंग ने चीन के सामने आने वाली मुश्किलों को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, कुछ उद्यमों के लिए यह साल मुश्किल था। कुछ लोगों को नौकरी ढूँढने और बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में कठिनाई हुई। जिनपिंग ने कहा, यह सब मेरे दिमाग में है। हम आर्थिक सुधार की गति को को मजबूत करेंगे। शी के बोलने से कुछ घंटे पहले राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो

ने अपना मासिक क्रय प्रबंधक सूचकांक सर्वेक्षण प्रकाशित किया। इसमें पता चला कि दिसंबर में फैक्ट्री गतिविधि छह महीने में सबसे निचले बयान के मुताबिक आधिकारिक मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई नवंबर महीने में 49.4 था जो दिसंबर में घट कर 49 पहुंच गया। पीएमआई का 50 से ऊपर होना विस्तार को दिखाता है। जबकि इसके नीचे की संख्या सिकुड़ती अर्थव्यवस्था दिखाता है। दिक्कत लगातार तीसरा महीना है जब यह गिरावट दर्ज की गई है। चीन को दुनिया की फैक्ट्री कहा जाता है। साल 2023 इसकी छवि अच्छा नहीं रहा। 2023 में चीन का विनिर्माण क्षेत्र अधिकांश समय तक कमजोर रहा। चीन की अर्थव्यवस्था इस साल कई समस्याओं से जूझ रही है, जिसमें लंबे समय तक प्रॉपर्टी में मंदी, रिकॉर्ड युवा बेरोजगारी, कमजोर कीमतें और स्थानीय सरकारों पर बढ़ता वित्तीय तनाव शामिल है।

मतभेदों के बीच मिले शी जिनपिंग व किम जोंग, दोस्ती मजबूत करने को अहम ऐलान

देश-दुनिया/बीजिंग/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- कोरिया और रूस की कथित करीबी को लेकर बीजिंग की चिंता बढ़ने की अटकलों के बीच शी जिनपिंग और किम जोंग उन ने मुलाकात कर गतिविधियों की श्रृंखला शुरू करने का ऐलान किया है। वैसे चीन और उत्तर कोरिया को करीबी सहयोगी माना जाता है। दोनों देशों ने सोमवार को संयुक्त रूप से 2024 की चीन-डीपीआरके मैत्री वर्ष घोषित किया है। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कोरिया चीन का सबसे करीबी रणनीतिक सहयोगी माना जाता है। उत्तर कोरिया के साथ चीन का करीबी सुरक्षा और आर्थिक सहयोग है।
2024 के पहले दिन क्यों अहम

है दोनों नेताओं के बयान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने एक जनवरी को नए साल का उत्सव मनाने के साथ-साथ शुभकामना संदेश जारी किए। दोनों का बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि दोनों अपने-अपने देश में सबसे शीर्ष नेता हैं। जिनपिंग कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) सेंट्रल कमिटी के महासचिव हैं। दूसरी तरफ किम जोंग उन वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया के महासचिव हैं। किम डीपीआरके (डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया) के राज्य मामलों के अध्यक्ष भी हैं।
चीन ने कोरिया को भेजे संदेश में क्या कहा किम को भेजे अपने संदेश में राष्ट्रपति जिनपिंग ने चीन और उत्तर कोरिया (क्ल) के

करीबी द्विपक्षीय संबंधों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि चीन और डीपीआरके के बीच पारंपरिक मैत्रीपूर्ण सहयोग, दोनों देशों के संयुक्त प्रयासों के कारण ऐतिहासिक कालखंड में हैं। दोनों का हमन किम जोंग उन की अहम है क्योंकि दोनों अपने-अपने देश में समन्वय और सहयोग भी मजबूत हुआ है। चीन-डीपीआरके ने सामान्य हितों की रक्षा की है। इससे क्षेत्रीय शांति और स्थिरता बरकरार रखने में मदद मिली है।
चीन के राष्ट्रपति को कोरिया का जवाब जिनपिंग से मिले संदेश के बाद किम जोंग उन ने कहा कि 2024 दोनों देशों के राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ का महत्वपूर्ण पड़ाव है।

नये नियम के तहत अब ब्रिटेन में परिवार नहीं ला सकेंगे छात्र, भारतीय छात्रों पर पड़ेगा सबसे ज्यादा असर

लंदन/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने ब्रिटेन में रह रहे लाखों प्रवासी छात्रों को बड़ा झटका दिया है। 1 जनवरी से ब्रिटेन में वीजा को लेकर नए नियम प्रभावी हो गए हैं। सुनक ने एक्स वेबसाइट पर ऐलान किया कि आज से यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे ज्यादातर विदेशी स्टूडेंट अपने परिवार को ब्रिटेन नहीं ला सकेंगे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के इस ऐलान से देश में रहकर पढ़ाई कर रहे हजारों की



तादाद में भारतीय छात्रों पर इसका बहुत बुरा असर पड़ने जा रहा है जो यहां सबसे ज्यादा तादाद में पढ़ाई करने आते हैं। ब्रिटेन की सरकार ने कहा है कि विदेशी स्टूडेंट्स का अपने परिवार को

लाना अनुचित प्रथा है। ब्रिटेन में पढ़ाई करने वाले विदेशी छात्रों में भारतीयों की संख्या सबसे ज्यादा रहती है और यही वजह है कि इस फैसले को भारतीयों पर सबसे ज्यादा असर

चीन आर्थिक संकट के कगार पर, बंद हो सकती है दुनिया की फैक्ट्री



ने अपना मासिक क्रय प्रबंधक सूचकांक सर्वेक्षण प्रकाशित किया। इसमें पता चला कि दिसंबर में फैक्ट्री गतिविधि छह महीने में सबसे निचले बयान के मुताबिक आधिकारिक मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई नवंबर महीने में 49.4 था जो दिसंबर में घट कर 49 पहुंच गया। पीएमआई का 50 से ऊपर होना विस्तार को दिखाता है। जबकि इसके नीचे की संख्या सिकुड़ती अर्थव्यवस्था दिखाता है। दिक्कत लगातार तीसरा महीना है जब यह गिरावट दर्ज की गई है। चीन को दुनिया की फैक्ट्री कहा जाता है। साल 2023 इसकी छवि अच्छा नहीं रहा। 2023 में चीन का विनिर्माण क्षेत्र अधिकांश समय तक कमजोर रहा। चीन की अर्थव्यवस्था इस साल कई समस्याओं से जूझ रही है, जिसमें लंबे समय तक प्रॉपर्टी में मंदी, रिकॉर्ड युवा बेरोजगारी, कमजोर कीमतें और स्थानीय सरकारों पर बढ़ता वित्तीय तनाव शामिल है।

पड़ने जा रहा है। सोमवार को इस कदम का ऐलान करते हुए ब्रिटेन के गृह मंत्री जेम्स क्लेवेली ने कहा कि इस प्रतिबंध से हजारों की तादाद में प्रवासन पर रोक लगेगी। उन्होंने कहा, यह सरकार ब्रिटेन की जनता के साथ किए अपने वादे को पूरा कर रही जिसमें हमारी सरकार ने प्रवासन में कटौती लाने की प्रतिबद्धता जताई थी। प्रवासियों पर क्या है ब्रिटेन का प्लान ब्रितानी गृह मंत्री ने कहा, हमने इस प्रवासन की संख्या को तेजी से कम करने, अपनी सीमाओं के नियंत्रण और लोगों के आत्रजन नियमों को ताक पर रखने की कोशिश को कम करने के लिए लक्ष्य रखा है। यह पूरे साल जारी रहेगा। आज इस प्लान का एक बड़ा हिस्सा प्रभाव में आ गया है जिसके तहत विदेशी छात्रों के अपने परिवार को ब्रिटेन लाने की अनुचित प्रथा खत्म होने जा रही है। इससे प्रवासन की

संख्या में लाखों की कमी आएगी। इससे 3 लाख लोगों के ब्रिटेन आने पर रोक लगाने की हमारी रणनीति में मदद मिलेगी। वहीं सुनक ने कहा कि साल 2024 में हम ब्रिटेन के लोगों के लिए काम करना शुरू कर चुके हैं। ऋषि सुनक अगले साल चुनावी मैदान में उतरने जा रहे हैं। इसमें या तो उनके आगे सत्ता में बने रहने का रास्ता साफ होगा या फिर उन्हें 10 डाउनिंग स्ट्रीट से जाना होगा। इस प्रस्ताव को सबसे पहले सितंबर 2022 में ब्रिटेन की तत्कालीन गृहमंत्री सुएला ब्रावेरमैन ने पेश किया था। उन्होंने कहा था कि ऐसे प्रवासियों के परिवार के सदस्य स्टूडेंट के रास्ते आते हैं और हमारी अर्थव्यवस्था के विकास में कोई योगदान नहीं देते हैं। ब्रिटेन में स्टडी वीजा भारतीयों को सबसे ज्यादा मिलता है।

अब सभी राज्यों के संगठन अलाइंस आफ ऑल एक्स पैरामिलिट्री वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले होंगे एकजुट

-पूर्व एडीजी ने विभिन्न राज्यों के पैरामिलिट्री जवानों व उनके परिवारों के लिए बने संगठनों को अलाइंस बना कर दिया नए साल का तोहफा



नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- सरकार तक पैरामिलिट्री जवानों व उनके परिवारों की समस्याओं से जुड़ी हर बात की एक सशक्त आवाज पहुंचाने के लिए पूर्व एडीजी एचआर सिंह ने विभिन्न राज्यों के पैरामिलिट्री जवानों के संगठनों को अलाइंस आफ ऑल एक्स पैरामिलिट्री वेलफेयर एसोसिएशन का रजिस्ट्रेशन कराया गया। 2024 के आम चुनावों से ठीक पहले नए साल के आगमन पर विभिन्न राज्यों के संगठनों के वेलफेयर एसोसिएशन पदाधिकारियों को एलाइंस में शामिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

पूर्व एडीजी श्री एचआर के अनुसार शहीद परिवारों के कल्याण एवं पुनर्वास हेतु बनी कॉन्फेडरेशन कार्य करती रहेगी। अब सभी

संगठनों से मिल बैठकर योजनाबद्ध तरीके से सामुहिक मेमोरैंडम तैयार किया जाएगा। सभी राज्यों के वेलफेयर संगठनों के प्रतिनिधियों को जनवरी या फरवरी के महीने में राजधानी दिल्ली में गोलमेज सम्मेलन बुलाकर अंतिम रूप दिया जाएगा। पूर्व एडीजी के अनुसार अभी तक 18 राज्यों के प्रतिनिधियों को एलाइंस में शामिल किया जा चुका है अभी कई और राज्यों से संदेश मिल रहे हैं। जैसे ही फरवरी माह तक प्रक्रिया पूर्ण हो जाएगी सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों व केंद्रीय सरकार को इतला दी जाएगी। पैरामिलिट्री संगठनों के इतिहास में ऐसा पहली बार जब 2024 देश में होने वाले संसदीय चुनावों से पहले 20 लाख पैरामिलिट्री परिवार अपने भलाई संबंधित मुद्दों पर एक बैनर तले इकठ्ठे होकर राज्यों एवं केंद्रीय सरकार को नोटिस जारी करेंगे साथ ही वोट की चोट का ऐलान कि जो राजनीतिक दल पैरामिलिट्री जवानों की सुविधाओं को लागू करने हेतु अपने चुनावी घोषणा या संकल्प पत्र में शामिल कर पूरा करने का वायदा करें।

हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट का सेबी की जांच में दखल से इनकार

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- सुप्रीम कोर्ट ने हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों पर सेबी की जांच में दखल देने से इनकार कर दिया है। तीन जजों की बेंच ने अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों से जुड़े मामले में फैसला सुनाया है। अदालत ने सेबी को 22 मामलों की जांच सौंपी थी जिसमें दो की जांच बाकी है। न्यायालय ने सेबी को तीन महीने में लंबित जांच पूरी करने का निर्देश दिया है।

शीर्ष अदालत ने कहा- यह साबित करने का कोई आधार नहीं है कि सेबी ने हिलाई बरती अदाणी समूह को बड़ी राहत देते हुए उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि वह नियायकीय व्यवस्था के दायरे में नहीं आ सकता और हिंडनबर्ग की रिपोर्ट या ऐसी कोई भी चीज अलग से जांच के आदेश का आधार नहीं बन सकती। अदालत ने कहा कि सेबी आगे बढ़ेगा और कानून के अनुसार अपनी जांच जारी रखेगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह साबित करने का कोई आधार नहीं है कि सेबी ने कदम उठाने में हिलाई बरती। इसके



मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने से इंकार किया है।

मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनाया फैसला

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा को तीन जजों की बेंच ने यह फैसला सुनाया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि सेबी को एफपीआई और एलओडीआर नियमों पर उसके संशोधनों को रद्द करने का निर्देश देने के लिए कोई वैध आधार नहीं है। सेबी ने 22 में से 20 मामलों में जांच पूरी कर ली है। अदालत ने कहा, सॉलिसिटर जनरल के आशवासन को ध्यान में रखते हुए, हम सेबी को अन्य दो मामलों में 3 महीने के भीतर जांच पूरी करने का निर्देश देते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अदाणी समूह के शेयरों में हिस्सी तेजी

अदाणी हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बीएसई पर अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 17.83 प्रतिशत चढ़ गया।

अलावा, अदालत ने कहा कि वर्तमान में मामले को सीबीआई को स्थानांतरित करने का कोई आधार नहीं है। फैसले में आगे कहा गया है कि सरकार और सेबी शॉर्ट-सेलिंग पर हिंडनबर्ग की ओर से लगाए गए कानून के उल्लंघन के आरोपों, यदि कोई हो, की जांच करेंगे और इस मामले में कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। उच्चतम न्यायालय ने केन्द्र सरकार और सेबी से नियायकीय ढांचे को मजबूत करने के लिए विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों पर विचार करने को कहा है। उच्चतम न्यायालय ने अदाणी-हिंडनबर्ग

द्वारका में साफ-सफाई के लिए नए साल में आरडब्ल्यूए ने एमसीडी उपायुक्त को दिया ज्ञापन



द्वारका/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- नये साल में द्वारका उपनगरी चाक-चौबंद सफाई व्यवस्था के लिए आरडब्ल्यूए संघ ने एमसीडी उपायुक्त को कूड़ों के अंबार, सड़क जाम व गंदगी से छुटकारा दिलाने के लिए ज्ञापन सौंपा हैं। वैसे तो द्वारका उपनगरी की देख रेख एवं सौंदर्यकरण के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण एवं अन्य सरकारी संस्थाएं जिम्मेदार है परंतु नए साल में ऐसा कुछ नहीं लगता जिससे कूड़े के अंबार, सड़क जाम एवम गंदगी से लोगों को छुटकारा मिले। द्वारका सेक्टर तीन स्थित आदर्श अपार्टमेंट एवं पालम ड्रेन के बीच से निकल रहे रास्ते के किनारे कूड़े और मलबे के ढेर आनेजाने वालों को परेशानी में डाल रहे है। इन्ही कठिनाइयों को देखते हुए फेडरेशन ऑफ साउथ एंड वेस्ट डिस्ट्रिक्ट वेलफेयर फोरम दिल्ली के चेयरमैन तथा आरडब्ल्यूए मधु विहार के प्रधान रणबीर सिंह सोलंकी ने स्वच्छता एवं सफाई के लिए प्रशासन से गुहार लगाई तथा लोगों के कष्ट को दूर करने के लिए सोलंकी ने कूड़ों के अंबार से सड़क जाम एवं गंदगी से दहलाव लोगों के कष्ट को दूर करने के लिए उपायुक्त को

ज्ञापन दिया। साथ में आरडब्ल्यूए के महा सचिव जगदीश नेनवाल एवं उप प्रधान सुरेश लाला उपस्थित थे। ज्ञात हो कि मधु विहार एवम आस पास के इलाकों से बाहर निकलने वाला एक मात्र प्रमुख रास्ता जो आदर्श अपार्टमेंट एवम पालम नाले के बीच से निकलता है चंद नामसमझ लोगों के द्वारा कूड़ा डाले जाने से स्थिति नारकीय हो गई है। एमसीडी द्वारा बार बार साफ करवाए जाने के बावजूद ऐसे सफाई नापसंद लोग कूड़े डाल जाते हैं। इस रास्ते से स्कूली बच्चे से लेकर मोटर सायकिल सवार एवम पैदल चलने वाले लोग परेशान हो रहे हैं। सोलंकी ने क्षेत्र वासियों से निवेदन किया है कि रास्ते के किनारे कूड़े और मलबे के ढेर आनेजाने वालों को परेशानी में डाल रहे है। इन्ही कठिनाइयों को देखते हुए फेडरेशन ऑफ साउथ एंड वेस्ट डिस्ट्रिक्ट वेलफेयर फोरम दिल्ली के चेयरमैन तथा आरडब्ल्यूए मधु विहार के प्रधान रणबीर सिंह सोलंकी ने स्वच्छता एवं सफाई के लिए प्रशासन से गुहार लगाई तथा लोगों के कष्ट को दूर करने के लिए उपायुक्त को

उद्धव शिवसेना का दावा- राजीव गांधी भी राम मंदिर का निर्माण चाहते थे

-कांग्रेस की आत्मा हिंदू, हिन्दूओं पर सिर्फ भाजपा का हक नहीं

-निमंत्रिमिला है तो कांग्रेस नेताओं को राममंदिर के प्राप्तिपिछा समारोह में होना चाहिए शामिल

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के आयोजन को लेकर देश में राजनीतिक पाटियों में खुद को हिंदू बताने की होड़ सी लगी हुई है। ऐसे में जब पूरा देश राममय हो रहा है तो कांग्रेस अपने धर्मनिरपेक्ष स्टैंड के चलते कहीं ना कहीं असमंजस में दिख रही है। ऐसे

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- अच्छे भले इंसान की अचानक मौत हो जाने का राज अब खुल गया है। एम्स के एक अध्ययन में पता चला है कि कोरोना महामारी के बाद से ग्रीवा धमनी का सेंसर दिल और दिमाग को धोखा दे रहा है। वह भी ऐसा कि जिससे इंसान की जान ही चली जाए। दरअसल ग्रीवा धमनी का सेंसर दिल और दिमाग को शरीर में होने वाली हलचल का संदेश भेजता है, इससे अचानक शरीर की मुद्रा बदलने से दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इससे दिल की धड़कनों में तेज बदलाव आता है। कई बार लोगों को चक्कर भी आ जाता है। अब कोरोना महामारी के बाद से यही संदेश सेंसर सटीक तरीके से

दिल्ली

दिल्ली भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शशि यादव भाजपा से निष्कासित

-भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विरेन्द्र सचदेवा ने पार्टी विरोधी व समाज विरोधी गतिविधियों के चलते पार्षद शशि यादव को पद से हटाया

-पार्षद शशि यादव ने नमो चौपाल के माध्यम से कहा उन्हें अभी तक कोई नोटिस नहीं मिला, सिर्फ सोशल मीडिया पर चल रहा मामला

नई दिल्ली/नजफगढ़/शिव कुमार यादव/- दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विरेन्द्र सचदेवा ने छावला वार्ड के पार्षद एवं दिल्ली भाजपा युवा मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष शशि यादव को पार्टी विरोधी एवं समाज विरोधी गतिविधियों के तहत तुरंत प्रभाव से पार्टी से



निष्कासित कर दिया है। हालांकि शशि यादव ने इस सारे मामले से अनभिज्ञता जाहिर की है। साथ ही कहा है कि उन्हें इस तरह का कोई नोटिस नहीं मिला है। जबकि भाजपा के दिल्ली प्रदेश के फेसबुक पेज पर नोटिस लगा हुआ है। इस मामले में गौर करने वाली बात यह है कि इस नोटिस के बाद शशि यादव ने अपने कार्यालय पर नमो चौपाल का आयोजन कर सारे आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि वह भाजपा के सच्चे सिपाही है और

भाजपा व पीएम नरेन्द्र मोदी के प्रति पूरी तरह से निष्ठावान है। उन्होंने अपने निष्कासन के नोटिस पर कहा कि सोशल मीडिया पर क्या चल रहा है यह उन्हें नहीं पता है लेकिन अभी तक उन्हें इस तरह का कोई नोटिस नहीं मिला है। वह भाजपा के कार्यकर्ता थे, आज भी है और आगे भी रहेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले भी उनके प्रिय नेता थे, आज भी है और आगे भी रहेंगे। आज की नमो चौपाल के माध्यम से करीब

2500 कार्यकर्ताओं को इबट्टा कर शशि यादव ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को अपनी ताकत दिखाई है। बता दें कि मंगलवार की रात को दिल्ली प्रदेश के भाजपा अध्यक्ष विरेन्द्र सचदेवा ने शशि यादव को तत्काल प्रभाव से भाजपा से निष्कासित कर दिया है। साथ ही शशि यादव द्वारा की जानी थी। आपने प्रदेश पदाधिकारी, लोक सभा प्रभारी, जिला प्रभारियों व जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की गई थी उन्हें रद्द कर दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विरेन्द्र सचदेवा द्वारा जारी किये गये नोटिस के अनुसार शशि यादव को पार्टी विरोधी व समाज विरोधी गतिविधियों के तहत भाजपा से निष्कासित किया गया है। शशि यादव पर आरोप है कि उन्होंने आठों मोर्चों के प्रदेश पदाधिकारियों की घोषणा कर पार्टी विरोधी कार्य किया है जबकि यह घोषणा प्रदेश अध्यक्ष द्वारा की जानी थी। आपने पार्टी आदेश की अवहेलना कर अनुशासनहीनता की है। इसके लिए आपको तुरंत प्रभाव से पार्टी से निष्कासित किया जाता है और सभी नियुक्तियों को रद्द किया जाता है।

कुश्ती को लेकर जंतर-मंतर पर फिर से प्रदर्शन शुरू, निशाने पर बजरंग, साक्षी और विनेश फोगाट

नई दिल्ली/खेल/शिव कुमार यादव/- जंतर-मंतर पर एक बार फिर पहलवान प्रदर्शन कर रहे है। लेकिन इस बार सीनियर पहलवान नहीं बल्कि जूनियर पहलवान बजरंग, साक्षी और विनेश फोगाट के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे है। प्रदर्शनकारी पहलवानों का आरोप है कि इन पहलवानों के कारण उनका एक महत्वपूर्ण साल खराब हो गया और उनका अभ्यास बेकार गया।



बता दें कि भारतीय कुश्ती में पिछले एक साल से सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। सीनियर पहलवानों के प्रदर्शन के बाद भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के अपनी कुर्सी गंवायी पड़ी। उसके बाद चुनाव हुए तो खिलाड़ियों ने नए अध्यक्ष संजय सिंह का विरोध किया। साक्षी मलिक ने संन्यास का एलान कर दिया और बजरंग पुनिया-विनेश फोगाट ने अपने पुरस्कार वापस कर दिए। खेल मंत्रालय ने फिर कुश्ती संघ को ही निर्लंबित कर दिया। अब बुधवार (तीन जनवरी) को एक बार फिर पहलवान जंतर-मंतर पर पहुंचकर प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन इस बार यह विरोध कुश्ती संघ या उसके अधिकारियों के खिलाफ नहीं बल्कि बजरंग, साक्षी और विनेश फोगाट के खिलाफ है। भारतीय कुश्ती में चल रहे संकट ने बुधवार

को एक नया मोड़ ले लिया जब सैकड़ों जूनियर पहलवान अपने करियर के एक महत्वपूर्ण वर्ष के नुकसान के विरोध में जंतर-मंतर पर एकत्र हो गए। इस स्थिति के लिए उन्होंने शीर्ष पहलवान बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक और विनेश को दोषी ठहराया। बसों में भरकर, जूनियर पहलवान उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे, लेकिन पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। लग रहे बजरंग, साक्षी और विनेश के खिलाफ नारे लगभग 300 लोग छपरोली, बागपत में आर्य समाज अखाड़े से आए थे, जबकि कई अन्य नरेला में वीरेंद्र कुश्ती अकादमी से आए थे। कई लोग अभी भी बसों में भरे हुए हैं। सभी अपने सहयोगियों के साथ प्रदर्शन में शामिल होने की योजना बना रहे हैं। सुरक्षाकर्मियों को उन्हें

नियंत्रित करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। वह बजरंग, साक्षी और विनेश के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों के हाथ में बैनर थे जिन पर लिखा था, यूडब्ल्यूडब्ल्यू हमारी कुश्ती को इन तीन पहलवानों से बचाएं। लगभग एक साल पहले जंतर-मंतर पर शीर्ष तीन पहलवान अपने उद्देश्य के लिए भारी समर्थन हासिल करने में कामयाब रहे थे। उन्होंने पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने के बाद उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी। किसान समूहों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, राजनेताओं, महिला समूहों और कुश्ती विरादरी के सदस्यों सहित समाज के विभिन्न वर्गों के हजारों लोग मलिक, फोगाट और पुनिया के समर्थन में सामने आए।



ही दावा करती है। कांग्रेस ने भी हिंदू संस्कृति के विकास में योगदान दिया है। शिवसेना (यूबीटी) ने दावा किया कि कांग्रेस ने कभी अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का विरोध नहीं किया। पूर्व

प्रधानमंत्री राजीव गांधी भी मानते थे कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण होना चाहिए। राजीव गांधी के निदेशों पर ही दूरदर्शन पर प्रसिद्ध रामायण धारावाहिक का प्रसारण किया गया था। शिवसेना ने भाजपा

पर निशाना साधते हुए लिखा कि जब बाबरी विध्वंस हुआ था, अगर उस समय कोई भाजपा का प्रधानमंत्री होता तो बाबरी विध्वंस होता ही नहीं। साल 1992 में जब बाबरी विध्वंस हुआ था, उस वक्त देश के प्रधानमंत्री कांग्रेस के पीवी नरसिम्हा राव थे।

कांग्रेस नेताओं के राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल पर अंतिम फैसला अभी नहीं हुआ

दरअसल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस के संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी को राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण मिला है। हालांकि अभी तक पार्टी इस पर कोई आधिकारिक फैसला नहीं ले सकी है।

ग्रीवा धमनी का सेंसर दिल को दे रहा धोखा, लोग गवां रहे जान, एम्स की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- अच्छे भले इंसान की अचानक मौत हो जाने का राज अब खुल गया है। एम्स के एक अध्ययन में पता चला है कि कोरोना महामारी के बाद से ग्रीवा धमनी का सेंसर दिल और दिमाग को धोखा दे रहा है। वह भी ऐसा कि जिससे इंसान की जान ही चली जाए। दरअसल ग्रीवा धमनी का सेंसर दिल और दिमाग को शरीर में होने वाली हलचल का संदेश भेजता है, इससे अचानक शरीर की मुद्रा बदलने से दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इससे दिल की धड़कनों में तेज बदलाव आता है। कई बार लोगों को चक्कर भी आ जाता है। अब कोरोना महामारी के बाद से यही संदेश सेंसर सटीक तरीके से

नहीं भेज पा रहा है। इसमें हार्ट फेल होने की आशंका काफी बढ़ जाती है। एम्स के एक अध्ययन में इसका खुलासा हुआ है। अध्ययन 110 मरीजों पर किया गया है। इसमें शामिल 57 मरीजों में कोरोना के दौरान हल्के लक्षण थे। इन्हें कोई दूसरी बीमारी नहीं थी और यह सभी 3 से छह माह में अपने घर में ही पूरी तरह से ठीक हो गए थे। जबकि 53 मरीजों की मेडिकल हिस्ट्री कोविड-19 से पहले की थी। अध्ययन के दौरान दोनों का मिलान किया गया। इस दौरान कोविड से 3 से 6 माह में ठीक हुए हल्के लक्षण के मरीजों की बैरोफ्लेक्स (सेंसर) की संवेदनशीलता को देखा। साथ ही यह पता लगाया गया कि इसका कैरोटिड (ग्रीवा) धमनी से क्या



संबंध है। शोधकर्ता यह देखकर लक्षण वाले मरीजों में अभी भी बैरोफ्लेक्स की संवेदनशीलता कमजोर है। **कोरोना में सेंसर हुआ प्रभावित**

शरीर क्रिया विज्ञान विभाग के डॉ. डीनू एस चंद्रन ने कहा कि अध्ययन

में पाया गया कि कोरोना महामारी ने मरीजों के बैरोफ्लेक्स को प्रभावित किया है। जो दिमाग को संकेत देता है। इसमें आई दिक्कत के कारण दिल जरूरत के आधार पर काम नहीं कर पाता। यहीं कारण है कि अक्सर जब हम कुछ देर तक बैठे रहते हैं और अचानक खड़े होते है

तो दिल की धड़कन बढ़ जाती है या फिर चक्कर आने लगता है। आशंका जाहिर की जा रही है कि यह अचानक बढ़ रहे दिल के दौर का बढ़ा कारण हो। बैरोफ्लेक्स हमारे शरीर के आधार पर रक्तचाप को स्थिर बनाने में मदद करता है। जबकि अब यही प्रभावित हो गया है। उनका कहना है कि यदि सामान्य मरीजों की स्थिति ऐसी है तो कोरोना के गंभीर मरीजों की स्थिति और खराब हो सकती है। ऐसे में मरीजों के लंबे समय तक दिल की जांच की जरूरत है।

इससे शरीर में होने वाली हर हरकत की सूचना दिमाग तक पहुंचती है। और हृदय गति शरीर की क्रिया के हिसाब से स्थिर बनाए रखता है। **अध्ययन का आंकड़ा**

कुल मरीजों की संख्या - 110

पोर्ट कोविड मरीज - 57

कोरोना से पहले की हिस्ट्री - 53

मरीजों की औसत आयु - 34 साल

इन डॉक्टरों ने किया अध्ययन

एम्स के मेडिसिन, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग सहित अन्य विभाग के डॉक्टरों ने इस अध्ययन को किया। इस अध्ययन में कोरोना से प्रभावित हल्के लक्षण वाले मरीजों को चुना गया। यह मरीज दो से तीन माह तक अपने घर में रहकर ही ठीक हो गए। ठीक होने के बाद इन्हें कोई दिक्कत नहीं हुई।

भाजपा मेरी गिरफ्तारी चाहती है, ईडी का नोटिस गैरकानूनी- केजरीवाल

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- भाजपा पर हमला बोलते हुए सीएम ने कहा कि जो इनकी पार्टी ज्वाइन कर लेते हैं। उसके सारे पाप धुल जाते हैं। मनीष सिसोदिया और संजय इसलिए जेल में हैं क्योंकि उन्होंने भाजपा को ज्वाइन नहीं किया। हमें लोकतंत्र को बचाना है। ईडी समन मामले पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि दो साल में कई बार छापे पड़े। कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ है। ऐसे फर्जी केस में आम आदमी पार्टी के कई नेता जेल में इन्होंने रखे हैं। खुलेआम गुंडागर्दी हो रही है। पूछताछ के बहाने केजरीवाल को बुला लो और गिरफ्तार कर



लो, ताकि मैं लोकसभा चुनाव में प्रचार ना कर पाऊं। दिल्ली के सीएम ने कहा कि ये सारे नोटिस गैर कानूनी हैं। क्या मुझे गैर कानूनी सम्मन का उत्तर देना चाहिए। मुझे लोकसभा चुनाव में प्रचार करने से रोकने की

इसलिए जेल में हैं क्योंकि उन्होंने भाजपा को ज्वाइन नहीं किया। हमें लोकतंत्र को बचाना है। मैं पूरी ईमानदारी से इनका मुकाबला कर रहा हूँ। हमने भ्रष्टाचार नहीं किया। ऐसे देश आगे नहीं बढ़ सकता। ये क्या चल रहा है। ये जनतंत्र के लिए गलत है। इसे रोकना है। मेरा तन मन धन देश के लिए है। मेरी सांस, खून की एक एक बुंद और कतरा देश के लिए है। मुझे आपका साथ चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि पिछले दो साल से भाजपा की एजेंसियों ने शराब घोटाले में कई छापेमारी की और कई गिरफ्तारी की। लेकिन अभी तक एक भी पैसे का हेरफेर नहीं मिला। ऐसे फर्जी

वाईएस शर्मिला ने थामा कांग्रेस हाथ, वाईएसटीपी का कांग्रेस में विलय



बोलीं- इसी पार्टी ने किया भारत की बुनियाद का निर्माण नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- वाईएसआर तेलंगाणा पार्टी की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला कांग्रेस में शामिल हो गई हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की उपस्थिति में वाईएस शर्मिला गुरुवार को कांग्रेस के साथ जुड़ गईं। कांग्रेस में शामिल होने के बाद उन्होंने सोनिया गांधी से मुलाकात की। कांग्रेस में शामिल होने के साथ ही वाईएस शर्मिला ने अपनी पार्टी वाईएस तेलंगाणा पार्टी (वाईएसटीपी) को भी कांग्रेस में विलय कर दिया। वाईएसटीपी के कांग्रेस में शामिल होने पर पार्टी में एक नया पद दिया जाएगा। कांग्रेस में शामिल होने के बाद वाईएस शर्मिला ने कहा, हमारे देश में कांग्रेस अभी भी

नेहरू युवा केंद्र ने मेरा भारत विकसित भारत/2047 पर किया भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

एनवाईके जिला दक्षिण-पश्चिम ने जनकपुरी के भारती कॉलेज में किया आयोजन, 100 प्रतिभागियों ने लिया भाग



रखे। एक से बढ़कर एक प्रतिभागी ने देश का स्वागीण विकास कैसे हो इसे लेकर अपने विचार मंच पर रखे। क्योंकि ये एक प्रतियोगिता थी तो इसमें एक 3 सदस्यीय निर्णायक मण्डल का गठन किया गया। निर्णायक मण्डल ने प्रोफेसर मलारानी, डॉक्टर अनाविषा बनर्जी व डॉक्टर शैलेंद्र विक्रम रहे। सभी निर्णायक मण्डल भारती कॉलेज के प्रोफेसर थे। इस संबंध में नेहरू युवा केंद्र, जिला दक्षिण-पश्चिम दिल्ली की जिला अधिकारी अंजलि चौधरी ने बताया कि जिला स्तर पर केवल एक प्रथम स्थान पाने वाले विजेता का ही चयन निर्णायक मण्डल द्वारा किया जाना है। निर्णायक मण्डल ने सर्व सम्मति से प्राची मोरया का चयन किया। अब जिला स्तरीय विजेता को राज्यस्तरीय भाषण

दिल्ली मोहल्ला क्लीनिकों में फर्जी टेस्ट मामलों की सीबीआई करेगी जांच



नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मोहल्ला क्लीनिक में फर्जी टेस्ट के मामले में सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। उपराज्यपाल ने मोहल्ला क्लिनिक में फर्जी मरीजों के नाम पर पैथोलॉजी और रेडियोलॉजी टेस्ट किए गए हैं। इससे पहले एलजी ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिकों में कुछ जीवन रक्षक दवाओं सहित गैर-मानक दवाओं की खरीद और आपूर्ति की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। दिल्ली विभाग के स्वास्थ्य विभाग के तहत केंद्रीय खरीद एजेंसी से सरकारी अस्पतालों में इस तरह की नकली दवाइयों की आपूर्ति की गई थी। राजनिवास के अनुसार कई रोगियों और बड़े पैमाने पर लोगों की शिकायतों के बाद इहबास, लोक नायक और दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल से नमूने एकत्र किए गए। ये तीनों अस्पतालों में लाखों रोगियों का उपचार चलता है। वहीं दूसरी तरफ दिल्ली सरकार पर कथित शराब घोटाला मामले के आरोप लगे थे। जिसमें जांच चल रही है।

डॉ. पायल सन्देश यादव आरएलजेपी उत्तर प्रदेश की प्रवक्ता नियुक्त

महासचिव के साथ-साथ प्रवक्ता भी बनाया गया, भारत सरकार में रेल मंत्रालय, दूर संचार मंत्रालय व भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की रह चुकी है सदस्य



नई दिल्ली/यूपी/शिव कुमार यादव/- समाज सेविका और राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी उत्तर प्रदेश की महासचिव डॉ. पायल सन्देश यादव को पार्टी के प्रति उनकी एकाग्रता व कार्यशीली की वजह से उन्हें आज दिल्ली में उत्तर प्रदेश महासचिव होने के साथ-साथ आरएलजेपी पार्टी की तरफ से उत्तर प्रदेश का प्रवक्ता भी नियुक्त किया गया। इससे पूर्व वह भारत सरकार में रेल मंत्रालय, दूर संचार मंत्रालय व भारतीय सांस्कृतिक

संबंध परिषद के अंतर्गत भी सदस्य रह चुकी हैं। केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार व राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस ने उत्तर प्रदेश अध्यक्ष ललित नारायण चौधरी की संतुति पर उन्हें आज दिल्ली में प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया। इस अवसर पर पार्टी के महासचिव एल्विस जोसेफ भी उपस्थित रहे। प्रदेश प्रवक्ता की नियुक्ति पर पायल यादव ने राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष का धन्यवाद किया और कहा कि

मार्टियरस वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने की उत्तराखण्ड के राज्यपाल से मुलाकात

राज्य के पैरा मिलिट्री भलाई संबंधित मुद्दों पर की सिलसिलेवार चर्चा



एडीजी श्री एचआर सिंह के हवाले से कहा गया कि कामनवेल्थ, एशियन गेम्स व ओलंपिक खेलों के पदक विजेताओं को सरकारें भारी भरकम बौनन्जा एवं इनाम स्वरूप करोड़ों रुपए राशी इनाम स्वरूप

योद्धाओं के परिवार को कम से कम 1 करोड़ रुपये की अनुग्रह/अनुदान/सम्मान राशि दी जाए। सैनिक कल्याण बोर्ड की तर्ज पर राज्य के पैरा मिलिट्री परिवारों के कल्याण एवं पुनर्वास हेतु अर्ध सैनिक कल्याण बोर्ड की स्थापना की जाए। देश में एक समान राष्ट्रीय शहीद नीति बनाने के मुद्दे पर चर्चा कर तुरंत कार्यान्वित किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं वास्ते जिला स्तर पर सीजीएचएस डिस्पेंसरियों का विस्तार साथ ही उच्चतम सुविधाओं से लैस सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों को सीजीएचएस पैनल में शामिल किया जाए। महामहिम राज्यपाल द्वारा उपरोक्त कल्याण संबंधी मुद्दों पर पूर्ण सहमति जताते हुए आश्वासन दिया कि उपरोक्त कल्याण संबंधी मुद्दों को राज्य सरकार को अनुशंसा सहित भेजेगे। महामहिम राज्यपाल ने कहा कि पैरामिलिट्री जवानों द्वारा की जा रही सर्वोच्च कर्तव्य परायणता के समूचे देशवासी ऋणी है।

धूमधाम से मनाई गई समाजसेवी चौ. कप्तान सिंह राठी की तीसरी जयंती

बहादुरगढ़/कृष्ण गोपाल विद्यार्थी/- क्षेत्र के जाने माने समाजसेवी चौ. कप्तान सिंह राठी की तीसरी पुण्यतिथि पर गौंव खरहर में भव्य स्मृति समारोह का आयोजन किया गया जिसमें राठी और रूहिल के माँ गाँवों के अलावा बेरी, छारा, मातन, खरमाण, छुड़ानी, दुल्हेडा, दूबलधन माजरा, डीघल व पेलपा सहित आसपास के अनेक गाँवों के हजारों लोग ने भाग लिया। इस अवसर पर जहाँ विभिन्न गाँवों के सरपंचों और सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों ने दिवंगत राठी जी से जुड़े अनेक संस्मरण सुनाकर उन्हें



अपने भाव पुष्प अर्पित किए। वहीं उनके सुपुत्र भूपेंद्र कप्तान राठी को सम्मान स्वरूप पगड़ी बांधकर हर शुभ कार्य में सहयोग देने की बात कही। पिता के मित्रों व परिचितों का इतना स्नेह पाकर भावुक हुए भूपेंद्र ने

देश में वोटों के लिए हिंदू धर्म का उड़ाया जा रहा मजाक .., भड़के हिन्दू संगठन

अब एनसीपी नेता ने भगवान राम को बताया मांसाहारी तो भड़की भाजपा ने पुलिस को दी शिकायत



मुंबई/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- कर्नाटक के बाद अब महाराष्ट्र में भगवान राम के नाम पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। शरद पवार की पार्टी एनसीपी के नेता डॉ. जितेंद्र आव्हाड द्वारा भगवान राम को मांसाहारी बताया जाने पर गुस्सा भड़क गया है। भाजपा नेता राम कदम ने पुलिस में शिकायत दी है। वहीं, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के मुख्य पुजारी आचार्य

सत्येंद्र दास ने भी बयान की निंदा की है। घमंडी गठबंधन की मानसिकता साफ कदम ने कहा, घमंडी गठबंधन की मानसिकता साफ है कि राम भक्तों की भावनाओं को आहत पहुंचाई

है। क्या जानते हैं आव्हाड? आहाव्ड के संघ पर दिए गए बयान पर भाजपा नेता ने कहा कि वे जानते क्या हैं आरएसएस के बारे? उन्होंने आगे पूछा कि क्या वे कभी संघ की किसी शाखा में गए हैं? संघ की परिभाषा जानते हैं? संघ के जो स्वयंसेवक हैं, वो मां भारतीय के लिए जीते हैं। उन्हें क्या पता हैं संघ के बारे में? कदम ने कहा कि क्या वे केवल अपनी राजनीतिक दुकान चलाने के लिए कुछ भी बोल देंगे। संघ को समझने के लिए आव्हाड को 100 जन्म लेने होंगे। इसके बाद संघ क्या होता है तब उन्हें समझ आ जाएगा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

वहीं, जितेंद्र आव्हाड के विवादित बयान के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं में गुस्सा बढ़ गया है। कार्यकर्ताओं ने जमकर विरोध-प्रदर्शन किया। ऐसे झूठे को हमारे भगवान राम... आव्हाड के बयान पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास का कहना है, एनसीपी नेता जितेंद्र आव्हाड जो बोल रहे हैं वह पूरी तरह से गलत है। हमारे शास्त्रों में कहीं नहीं लिखा है कि भगवान राम ने अपने वनवास के दौरान मांसाहारी भोजन किया था। इसमें लिखा है कि वह फल खाते थे। ऐसे झूठे को हमारे भगवान राम का अपमान करने का कोई अधिकार नहीं है।